आज का विचार

दोस्ती कभी खास लोगों से नहीं होती है। जिनसे होती है वही लोग खास हो जाते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

8

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 1 जुलाई, 2025 वर्ष 23, अंक 160, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

शाह ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ मंथन बैठक की अध्यक्षता की

संवाददाता
नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 के उपलक्ष्य में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ मंथन बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का आयोजन सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। मंथन बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बैठक में देशभर के सहकारिता मंत्रियों, अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और सहकारिता विभागों के सचिवों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंथन बैठक का उद्देश्य भारत में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए चल रही योजनाओं की समीक्षा, उपलब्धियों का आंकलन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करना है।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना देश में बहुत पुराने सहकारिता के संस्कार को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ नए परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखकर की है। उन्होंने कहा कि देश में सामाजिक परिवर्तन और नया परिदृश्य नरेन्द्र मोदी सरकार आने के बाद आया है। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 60-70 करोड़ लोग ऐसे थे, जिनके पास कई पीढ़ियों तक जीवन जीने की मूलभूत सुविधाएं भी नहीं थीं। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक के 10 साल के कालखंड में ही मोदी सरकार ने इन करोड़ों लोगों का जीवनस्वप्न पूरा कर दिया और इन्हें घर, शौचालय, पीने का पानी, अनाज, स्वास्थ्य, गैस सिलिंडर आदि सुविधाएं प्रदान कर दीं। शाह ने कहा कि ये करोड़ों लोग अब अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए उद्यम करना चाहते हैं, लेकिन इनके पास पूंजी नहीं है और इन करोड़ों लोगों की छोटी-छोटी पूंजी से बड़ा काम करने का एकमात्र रास्ता सहकारिता है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे 140 करोड़ की आबादी वाले देश के लिए दो चीजें बेहद जरूरी हैं झ्र जीडीपी और जीएसडीपी का विकास और 140 करोड़ लोगों के लिए काम का सृजन करना। उन्होंने कहा कि देश के हर व्यक्ति के लिए काम के सृजन के लिए सहकारिता के सिवा कोई अन्य विकल्प नहीं है और इसीलिए 4 साल पहले बहुत दूरदर्शिता के साथ सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। शाह ने कहा कि हमें संवेदनशीलता के साथ देश के करोड़ों छोटे किसानों और ग्रामीणों के कल्याण के लिए सहकारिता को पुनर्जीवित करना ही होगा, क्योंकि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

अमित शाह ने कहा कि इस चिंतन और मंथन से तभी भला हो सकता है जब देश के 140 करोड़ लोग रोजगार प्राप्त कर परिश्रम के साथ अपना जीवन व्यतीत करें और इसे सफल बनाने के लिए भारत सरकार ने 60 पहल की हैं। उन्होंने कहा कि इन पहल में से एक महत्वपूर्ण पहल है राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का निर्माण, जिसकी मदद से हम वैक्यूम ढूंढ सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस इसीलिए बनाया गया है कि राष्ट्रीय, राज्य, ज़िला और तहसील स्तर की सहकारी संस्थाएं मिलकर ये देख सकें कि किस राज्य के किस गांव में एक भी सहकारी संस्था नहीं है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य है कि अगले 5 साल में देश में एक भी गांव ऐसा न रहे, जहां एक भी कोऑपरेटिव न हो और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहकारी डेटाबेस का उपयोग करना चाहिए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत में सहकारिता आंदोलन के छिन्न-भिन्न होने के पीछे 3 मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि हमने समय के साथ कानून नहीं बदले, जो अब मोदी सरकार ने बदल दिए हैं। हमने सहकारिता की गतिविधियों को जोड़ा या समय के साथ बदला नहीं था। उन्होंने कहा कि पहले सहकारिता में सारी भर्तियां भाई-भतीजावाद से होती थीं और इसीलिए त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का विचार किया गया। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने आग्रह किया कि हर राज्य की कम से कम एक सहकारिता प्रशिक्षण संस्था, त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के साथ जुड़े और राज्य के कोऑपरेटिव आंदोलन की ट्रेनिंग की पूरी हॉलिस्टिक व्यवस्था त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के माध्यम से ही हो। शाह ने कहा कि कुछ ही समय में राष्ट्रीय सहकारिता नीति की घोषणा भी होगी जो 2025 से 2045 तक, यानी लगभग आजादी की शताब्दी तक अमल में रहेगी। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय सहकारिता नीति के तत्वाधान में ही हर राज्य की सहकारिता नीति वहां की सहकारिता की स्थिति के अनुरूप बने और इसके लक्ष्य भी निर्धारित हों। उन्होंने कहा कि तभी आजादी की शताब्दी तक हम एक आदर्श कोऑपरेटिव स्टेट बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में सहकारिता के क्षेत्र में अनुशासन, नवाचार और पारदर्शिता लाने का काम मॉडल एक्ट से होगा। उन्होंने कहा कि 2 लाख पैक्स के निर्णय के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लक्ष्य को फरवरी माह में ही समाप्त कर दिया जाए, तभी हम 2 लाख पैक्स के लक्ष्य तक समय से पहुंच सकेंगे।

अमित शाह ने कहा कि अर्बन कोऑपरेटिव बैंक और क्रेडिट सोसायटी पर हमें विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब कोऑपरेटिव बैंक को हमने बैंकिंग एक्ट के तहत ले आए हैं और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी लचीली अप्रोच अपनाते हुए हमारी कई समस्याएं दूर की हैं।

मप्र के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-आंदोलन : मोदी

90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रधानमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावडियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। इस विरासत को समृद्ध करते हुए 'जल गंगा संवर्धन अभियान' नदियों को निर्मल, अविरल और सदानीरा बनाने के लिए जन-जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास रहा है। जन भागीदारी की शक्ति से ऊर्जित यह एक उत्कृष्ट अभियान बना, जिसमें मध्य प्रदेश के सामर्थ्यवान व प्रकृति प्रेमी साथियों का योगदान प्रशंसनीय रहा है। जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण में खंडवा की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगी। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के समापन अवसर पर जारी अपने संदेश में कही। उन्होंने मुख्यमंत्री सहित प्रदेशवासियों को इस सफलता के लिये बधाई भी दी। इस अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषतः जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 30 मार्च को गुड़ीपड़वा से आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का सोमवार को खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वॉटर शेड सम्मेलन भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने समारोह में 1568 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करोड़ की लागत से 57,207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने वॉटर-शेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं तीन अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश की जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रादसिंह पटेल ने किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण के साथ जुड़ाव और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ व सुंदर धरा सुनिश्चित करने का हमारा संकल्प जन-जन के भागीरथ प्रयासों से ही संभव हो पाएगा। इस कड़ी में 'वॉटरशेड सम्मेलन' का आयोजन जल संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के अनुभव साझा करने और हर स्तर पर जल प्रबंधन की रणनीतियों को सशक्त करने का माध्यम बनेगा। 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में 30 हजार एकड़ से अधिक भूमि पर फलोद्यान विकसित करने की योजना, मातृभक्ति-पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण को एक साथ जोड़ने की सराहनीय पहल है। यह कार्यक्रम नदियों के किनारे हरियाली बढ़ाने और भू-जल स्तर सुधारने में सहायक सिद्ध होगा।

पिछले एक दशक में विभिन्न योजनाओं में जल संरक्षण से जुड़े पहलुओं को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी गई है। नमामि गंगे मिशन हो, केन-बेतवा लिंक परियोजना हो या नर्मदा-क्षिप्रा पुनर्जीवन की पहल, हम जल संरक्षण व पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। जल संरक्षण आज हमारी सामाजिक और आर्थिक जरूरत भी है, क्योंकि जल संरक्षित रहेगा तो हमारे किसान खुशहाल रहेंगे, उद्योग चलेंगे और सभी प्राणियों का जीवन सुरक्षित रहेगा। अमृतकाल में एक भव्य व विकसित भारत के निर्माण की ओर अग्रसर हमारे प्रयासों को देश की सामूहिकता की शक्ति एक नई ऊंचाई देगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वर्षा ऋतु में जल संरक्षण व वृक्षारोपण के लिए देशवासियों के प्रयास देश की उन्नति में सहायक होंगे।

इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री कुंवर विजय शाह, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, प्रभारी मंत्री धर्मेन्द्र लोधी, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह, सांसद ज्ञानेश्वर पटेल, विधायक अर्चना चिटनीस, संत दादा गुरु सहित क्षेत्र के नगरीय निकायों और पंचायतों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक जुलाई से बढ़ेगा रेल किराया सभी वर्गों में लागू होंगे नए रेट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

यात्रियों को अब ट्रेन से सफर करना थोड़ा महंगा पड़ेगा। केंद्र सरकार ने एक जुलाई से रेल किराये में बढ़ोतरी की घोषणा की है। रेलवे मंत्रालय ने सोमवार को यह फैसला लिया कि सभी पैसेंजर ट्रेन सेवाओं में किराये को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधित किराया लागू किया जाएगा। यह बदलाव इंडियन रेलवे कॉन्फ्रेंस एसोसिएशन (आईआरसीए) द्वारा प्रकाशित नई यात्री किराया तालिका के अनुसार होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया कि उपनगरीय ट्रेनों के एकल यात्रा टिकट और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, अन्य श्रेणियों में मामूली वृद्धि की गई है। गैर-एसी श्रेणियों जैसे सैकेंड क्लास, स्लीपर और फर्स्ट क्लास में आधे पैसे से लेकर एक पैसे प्रति किलोमीटर तक किराया बढ़ाया गया है। वहीं मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की गैर-एसी श्रेणियों में भी एक पैसा प्रति किलोमीटर का इजाफा किया गया है।

एसी चेयर कार, एसी थ्री-टियर, टू-टियर, एसी फर्स्ट क्लास और एग्जीक्यूटिव क्लास में दो पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की गई है। यह नई दरें 01 जुलाई से लागू होंगी। इससे तेजस, राजधानी, वंदे भारत, शताब्दी, दुरंतो, हमसफर, अमृत भारत, महाना, गतीमान, गरीब रथ, जनशताब्दी, युवा एक्सप्रेस, अनुभूती और एसी विस्टाडोम कोच जैसी विशेष ट्रेनों में भी यात्रा महंगी हो जाएगी। हालांकि रिजर्वेशन फीस, सुपरफास्ट चार्ज और जीएसटी जैसे अन्य शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले से बुक किए गए टिकटों पर नया किराया लागू नहीं होगा और उनके यात्रियों से कोई अतिरिक्त राशि नहीं ली जाएगी, लेकिन 01 जुलाई से जो भी टिकट बुक किए जाएंगे, उन पर नया किराया लागू होगा। टीटीई द्वारा ट्रेन में या स्टेशन पर टिकट बनाने पर भी नए किराये के अनुसार ही शुल्क वसूला जाएगा।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को निर्देश दिया है कि नई किराया तालिका को संबंधित कर्मचारियों को समय पर उपलब्ध कराया जाए और स्टेशनों पर प्रदर्शित किराया सूची को भी संशोधित किया जाए। इसके अलावा यात्रियों को इस बदलाव की जानकारी देने के लिए मीडिया, प्रेस और स्टेशन घोषणाओं के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए हैं। रेलवे बोर्ड के निदेशक (यात्री विपणन समन्वय) प्रवीण कुमार के अनुसार, सभी जोनल रेलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह नई व्यवस्था सही तरीके से लागू हो और सभी कर्मचारी इसे भलीभांति समझें व पालन करें।

साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए जोखिम आधारित पर्यवेक्षण, सतर्क रुख की जरूरतः आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने और वित्तीय क्षेत्र में साइबर सुरक्षा बढ़ाने के लिए जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण, सतर्क रुख और एआई को लेकर सजग सुरक्षा रणनीतियों को अपनाने का सुझाव दिया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि सृजन से जुड़े एआई संचालित तरीकों के माध्यम से धोखाधड़ी के नये स्वरूप विकसित हो रहे हैं। इसमें धोखाधड़ी के इरादे से भेजे जाने वाले ई-मेल, संदेश और डीपफेक शामिल हैं। आरबीआई की छमाही वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया, डिजिटल वित्तीय सेवाओं, क्लाउड-आधारित बुनियादी ढांचे और विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर जुड़ी प्रणालियों का उपयोग बढ़ रहा है। इसके साथ साइबर हमले का जोखिम भी तेजी से बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय संस्थाओं और प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं के बीच प्रणाली के स्तर पर जुड़ाव को देखते हुए, भरोसा, स्थिरता और कारोबारी निरंतरता बनाये रखने के लिए साइबर मजबूती को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

देशभर में अगले एक सप्ताह में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

देशभर में मानसून सक्रिय हो गया है। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में रविवार रात से शुरू हुई बारिश रुक-रुक कर सोमवार को भी जारी रही। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले छह-सात दिनों तक देश के विभिन्न हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

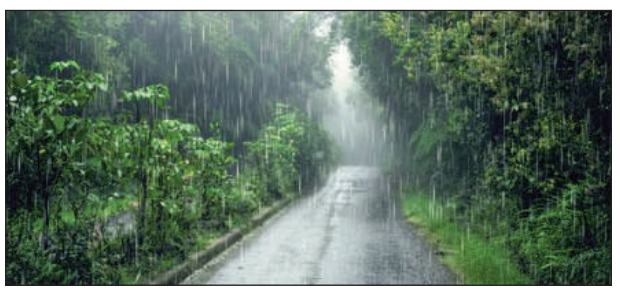

आईएमड के अनुसार, झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश इलाकों में लगातार बारिश की चेतावनी जारी की गई है, जबकि दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा के साथ गर्म और उमस भरा मौसम बना रह सकता है। दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक औसतन 14 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण मौसम सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अगले कुछ दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में गरज-चमक के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 6 जुलाई तक कई स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 30 जून और 01 जुलाई को बहुत भारी वर्षा के आसार हैं। महाराष्ट्र, कोंकण, गोवा, गुजरात व पूर्वोत्तर राज्यों में भी तेज बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

वैज्ञानिक अब लैब तक सीमित नहीं रहेंगे, खेतों में जाकर किसानों से भी जुड़ेंगे : शिवराज

एजेंसी (हि.स.)
बरेली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश के प्रत्येक जिले में वैज्ञानिकों की 2,000 टीमें भेजी जाएंगी। वह स्थानीय किसानों को आधुनिक कृषि, उन्नत नस्लों, तकनीकी खेती और बागवानी के विषय में जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अब सिर्फ लैब में सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खेत और खलिहान तक जाकर किसानों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि रिसर्च पेपर केवल प्रकाशन के लिए नहीं, बल्कि किसानों और पशुपालकों के जीवन में बदलाव लाने के लिए होने चाहिए।

केंद्रीय मंत्री सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आईवीआरआई केवल एक संस्था नहीं, बल्कि यह भारत की ग्रामीण जीवनशैली, पशुपालन संस्कृति और वैज्ञानिक सोच का आधार है। संस्थान ने टीका अनुसंधान, उन्नत नस्ल विकास, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन में ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिनसे न केवल भारत, बल्कि विश्व को भी नई दिशा मिली है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है लेकिन पशुपालन के बिना कृषि की कल्पना अधूरी है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आज की रिसर्च प्रयोगशालाओं से निकलकर किसानों और पशुपालकों तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि देश में 300 से अधिक अभिनव कृषि प्रयोग किसानों ने खुद किए हैं, जिनमें वैज्ञानिकों के सहयोग से और अधिक परिष्कृत करने की आवश्यकता है। दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल डिग्री नहीं, यह देश, समाज, किसान और पशुपालक कल्याण की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के उद्धरणों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप अकेले नहीं हैं, आप राष्ट्र के भविष्य हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने संसाधनों के प्रबंधन, लोकतंत्र की रक्षा और एआई जैसे नवोन्मेषणों को अपनाकर विधानमंडलों को अधिक कुशल बनाने की अपील की

भारत की संसद राज्य विधानमंडलों के साथ दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नवोन्मेषण और प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए तैयार है: ओम विरला

संवाददाता
नई दिल्ली/धर्मशाला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संसाधनों के प्रबंधन, लोकतंत्र की रक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे नवोन्मेषणों को अपनाकर विधानमंडलों को अधिक कुशल बनाने की अपील की। धर्मशाला के तपोवन में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र, जोन-क्क्के वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने राज्य विधानमंडलों से लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, विधायी कार्यों की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्रों की चुनौतियों और आकांक्षाओं पर बेहतर ढंग से ध्यान देने के लिए सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों, नवोन्मेषणों और प्रौद्योगिकी को साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि भारत की संसद संसदीय कार्य में दक्षता बढ़ाने के लिए एआई जैसे प्रौद्योगिकीय नवोन्मेषणों का व्यापक रूप से उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की संसद पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए राज्य विधानसभाओं के साथ इन नवीनतम प्रौद्योगिकीय प्रगति को साझा करने के लिए तैयार है।

इस अवसर पर, बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जारी ह्यएक राष्ट्र एक विधायी मंचह्ण पहल को याद किया और विश्वास व्यक्त किया कि 2026 तक भारत की संसद सभी राज्य विधानमंडलों के लिए एक साझा मंच स्थापित करेगी, जिससे विधायी चर्चा, बजट और अन्य विधायी पहलों पर सूचनाओं का निर्बाध आदान-प्रदान संभव होगा। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य विधानमंडलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेषणों को बढ़ावा देगी, जिसका अंततः जनता को लाभ मिलेगा।

बिरला ने देश भर के जनप्रतिनिधियों से आग्रह करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों से लेकर नगर पालिकाओं और राज्य विधानसभाओं तक, निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी संस्थाओं को संवाद, नवोन्मेषण और उत्कृष्टता के केंद्र में बदलना चाहिए। बिरला ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसमें अपार विविधता है, इसलिए लोकतांत्रिक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नवोन्मेषी बनाने की जिम्मेदारी भारत पर है।

बिरला ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि किसी भी संविधान या संस्था की सफलता उसके सदस्यों और अनुयायियों के आचरण पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाओं को सशक्त बनाना और उनमें संवाद तथा बहस को बढ़ावा देकर उनकी गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रचनात्मक चर्चा और विवेकपूर्ण तर्क व्यक्तिगत और संस्थागत प्रतिष्ठा दोनों को बढ़ाते हैं।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू; राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश; हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया; हिमाचल प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

जोन-2 पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के पीठासीन अधिकारी और उत्तर प्रदेश विधानसभा, कर्नाटक विधानसभा, तेलंगाना विधानसभा और परिषद के पीठासीन अधिकारी तथा हिमाचल प्रदेश विधानमंडल के सदस्य उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे।

हिमाचल में मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, शिमला में पांच मंजिला भवन ढहा, रामपुर में फटा बादल, 7 जिलों में बाढ़ का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने तबाही मचा दी है। बीते दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। जगह-जगह भूस्खलन, भवन गिरने और जलस्तर बढ़ने की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थिति को देखते हुए सात जिलों में फ्लैश फ्लड का येलो अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शेष दस जिलों के लिए मौसम विभाग ने भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। राजधानी शिमला के भट्टाकुफर क्षेत्र की माठू कॉलोनी में सोमवार सुबह एक पांच मंजिला इमारत भारी बारिश के चलते भरभरा कर गिर गई। भवन में पहले दरारें आ चुकी थीं, जिसे रविवार रात ही खाली करवा लिया गया था। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। साथ ही पास की तीन से चार अन्य मकानों में दरारें आई हैं।

उधर, शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सरपारा के सिक्ससेरी गांव में रविवार रात बादल फटने की घटना घटी। इसमें राजेंद्र कुमार, विनोद कुमार और गोपाल सिंह के घरों के कमरे, रसोई, कोठार और गौशालाएं मलबे में समा गईं। तीन गायों और दो बछड़ों की मौत हो गई। गनीमत रही कि कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। यह मलबा समेज खड्ड होते हुए सतलुज नदी में मिल गया।

रामपुर क्षेत्र में भारी बारिश के कारण 34 ट्रांसफार्मर और दो पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं। इसके अलावा जलोग क्षेत्र में एक वाहन दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति लापता है। प्रशासन और पुलिस राहत कार्यों में जुटे हैं।

बारिश से ब्यास और गिरि नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सिरमौर जिले के गिरि जटोन डैम और मंडी के पंडोह डैम से पानी छोड़ा गया है, जिससे निचले क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

मंडी, कांगड़ा, सिरमौर, कुल्लू के बंजार व मनाली उपमंडल में भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए आज सोमवार को सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है।

राजधानी शिमला में पेयजल संकट गहराने लगा है। शिमला जल प्रबंधन निगम (एसजेपीएनएल) ने बताया कि भारी बारिश के कारण जलशोधन संयंत्रों में अत्यधिक सिल्ट आ गई है, जिससे आगामी कुछ दिनों तक पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी।

मौसम विभाग ने लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर शेष सभी 10 जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं अगले 24 घंटों के लिए चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और सोलन जिलों में फ्लैश फ्लड का येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने आगामी 6 जुलाई तक भारी वर्षा की चेतावनी दी है जबकि 2 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

बीते 24 घंटों में मंडी के पंडोह में 123 मिमी, मंडी शहर में 119 मिमी, मुरारी देवी में 113 मिमी, पालमपुर (कांगड़ा) में 83 मिमी और बिलासपुर के घाघस में 65 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में अब तक 129 सड़कों पर भूस्खलन के कारण यातायात ठप है जबकि 600 से अधिक ट्रांसफार्मर बंद हो चुके हैं। केंद्र द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार 20 से 29 जून के बीच बारिश जनित घटनाओं में 39 लोगों की मौत हुई है, 81 घायल हुए हैं और चार लोग अब भी लापता हैं। राज्य को अब तक 75 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हो चुका है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, नदी-नालों के किनारे न जाएं और मौसम विभाग व आपदा प्रबंधन की चेतावनियों का पालन करें।

श्रीनगर पुलिस ने 50 लाख रुपये की आवासीय संपत्ति कुर्क की

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ एक और निर्णायक कार्रवाई में और अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क का समर्थन करने वाले बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने सोमवार को एक आवासीय संपत्ति कुर्क की जिसमें 50 लाख रुपये की एक मंजिला आवासीय संपत्ति शामिल है। यह संपत्ति कुख्यात ड्रग तस्कर हिलाल अहमद भट की थी।

आरोपी पुलिस स्टेशन करण नगर में दर्ज एफआईआर नंबर 01/2025 यू/एस 8/20,29 एनडीपीएस एक्ट, 111 बीएनएस में शामिल है।

उक्त संपत्ति को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित किया गया है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-ई और 68-एफ के तहत कार्रवाई करते हुए अचल संपत्ति को औपचारिक रूप से जब्त और कुर्क किया गया है। उक्त संपत्ति को कानून के तहत उचित प्रक्रिया के अनुसार कुर्क किया गया है। सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना इसे बेचा हस्तांतरित या अन्यथा निपटाया नहीं जाएगा।

इसके अलावा आरोपी व्यक्ति का नशीली दवाओं की तस्करी का इतिहास रहा है और वह मादक पदार्थों की आपूर्ति में सक्रिय रूप से शामिल था विशेष रूप से स्थानीय युवाओं को लक्षित करके जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।

धर्मगुरु दलाई लामा के 90वें जन्मदिन का उत्सव शुरू, छह जुलाई तक चलेंगे कार्यक्रम

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिन को लेकर सोमवार सुबह से मैकलोडगंज के मुख्य बौद्ध मठ चुगलाखंग में समारोह शुरू हो गया है। जन्मदिन की समारोह श्रृंखला में अब एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दलाई लामा का जन्मदिन 6 जुलाई को मनाया जाता है, लेकिन तिब्बती चंद्र कैलेंडर के अनुसार यह आज यानी 30 जून को है, जिसमें उनका जन्म 5वें महीने के 5वें दिन मनाया जाता है। समारोह का आयोजन डोमी प्रांत (जिसे आमदो प्रांत के नाम से भी जाना जाता है) के मूल निवासियों द्वारा किया गया, जो तिब्बत के तीन पारंपरिक क्षेत्रों में से एक है और दलाई लामा का जन्मस्थान भी है। यह समारोह एक सप्ताह तक यानी छह जुलाई तक चलेगा और इसका प्रबंधन केंद्रीय तिब्बती प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। हालांकि आज का समारोह डोमी समुदाय द्वारा निजी तौर पर आयोजित किया गया था। सोमवार सुबह धर्मगुरु दलाई लामा अपने आवास से गोल्फ कार्ट में मंदिर पहुंचे, जहां जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए अनुयायियों की लंबी कतारें लगी थीं। जब वे मंदिर पहुंचे तो मंदिर परिसर खचाखच भरा हुआ था। कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जबकि दलाई लामा की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की गई। तिब्बती स्वतंत्रता संग्राम के कार्यकर्ताओं ने भी सभा को संबोधित किया और तिब्बत में चल रहे आंदोलन और चीनी अत्याचारों पर प्रकाश डाला।

उधर धर्मगुरु दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस के समारोह को लेकर मिनी ल्हासा के नाम से प्रसिद्ध मैक्लोडगंज में चहल पहल बढ़ गई है। बड़ी संख्या में विदेशी और देशभर से तिब्बती समुदाय और अन्य अनुयायी उनके जन्मदिन पर उनका आशीर्वाद लेने मैकलोडगंज पहुंच रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने ली 39 जानें, प्रदेश भर में 75 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून तय समय से पहले ही तबाही लेकर आया है। आमतौर पर जुलाई-अगस्त में सक्रिय रहने वाला मानसून इस वर्ष 20 जून को ही प्रदेश में पहुंच गया और महज नौ दिनों में ही राज्य में जनजीवन को गंभीर क्षति पहुंचाई है। भारी बारिश के चलते जहां अनेक जगह भूस्खलन और जलभराव की घटनाएं सामने आईं, वहीं मानव जीवन और बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है।

राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 20 जून से 29 जून तक बारिश जनित घटनाओं में 39 लोगों की मौत हुई है जबकि 81 लोग घायल हुए हैं। इस अवधि में चार लोग लापता भी बताए गए हैं। हादसों में सबसे अधिक जानें सड़क दुर्घटनाओं में गई हैं, जिनकी संख्या 19 है। इसके अलावा अचानक आई बाढ़ में 7, तेज बहाव में बहने से 6, पहाड़ी से गिरने से 3, बिजली लगने से 2, सांप के काटने से 1 और अन्य कारणों से एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है।

सबसे अधिक प्रभावित जिला कांगड़ा रहा, जहां बाढ़ और बहाव की घटनाओं में 8 लोगों की जान गई। प्राकृतिक आपदा का असर केवल मानव जीवन पर ही नहीं, पशुधन और संपत्ति पर भी पड़ा है। 49 मवेशियों की मौत हुई है, जबकि 8 मकान पूरी तरह और 13 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 8 दुकानें, 12 गौशालाएं और एक पारंपरिक घराट भी मलबे में तब्दील हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जलशक्ति विभाग को 38.56 करोड़ और लोक निर्माण विभाग को 34.72 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। इस प्रकार अब तक राज्य में कुल 75.09 करोड़ रुपये की सरकारी और निजी संपत्ति बर्बाद हो चुकी है।

इस बीच मौसम विभाग ने चेताया है कि खतरा अभी टला नहीं है। शिमला स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने आगामी छह जुलाई तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है।

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राहत और पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता दी जाए और प्रभावितों की सहायता में कोई कोताही न बरती जाए। सरकार की ओर से लोगों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए हरसंभव प्रयास जारी हैं।

रूपा भजनी के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री धूमल ने जताया शोक

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

बमसन की समीरपुर पंचायत से संबंध रखने वाले प्रसिद्ध भजनी गायक रूप लाल जिन्हें 'रूपा भजनी' के नाम से भी जाना जाता था, का हाल ही में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर है।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने रूप लाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ह्लरूपा भजनीह्व के नाम से लोकप्रिय रूप लाल ने हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और उसे जीवंत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

प्रो. धूमल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

शिमला में खाई में गिरी पिकअप, दो मरे

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिला के सुन्नी थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। यह हादसा बीती देर रात जलोग से किंगल मार्ग पर गलू नामक स्थान के समीप हुआ, जहां एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा।

पुलिस को सोमवार सुबह चौकी जलोग के माध्यम से हादसे की सूचना मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि हादसा रात के समय हुआ और क्षेत्र सुनसान होने के कारण किसी को इसकी भनक नहीं लगी। मौके पर तलाशी अभियान के दौरान दो शव बरामद किए गए। इनकी पहचान प्रेमचंद (40 वर्ष) पुत्र भीमीराम और दिनेश (36 वर्ष) पुत्र स्व. तेजराम के रूप में हुई है। दोनों निवासी गांव गढ़ेरी तहसील सुन्नी जिला शिमला के रहने वाले थे।

हादसे में पिकअप वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन का नंबर अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा बल हैं चौकस

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षाबलों ने की संयुक्त मॉक ड्रिल

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

सुरक्षाबलों ने सोमवार को वार्षिक अमरनाथ यात्रा 2025 से पहले अंतिम तैयारियों के तहत जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर व्यापक और संयुक्त मॉक ड्रिल की। इस अभ्यास का उद्देश्य 3 जून से शुरू होने वाली तीर्थयात्रा से पहले सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन की सुरक्षा और तैयारियों को सुनिश्चित करना था। विभिन्न सुरक्षा इकाइयों की तत्परता और समन्वय का परीक्षण करने के लिए ड्रिल के दौरान बसों को पूर्ण सुरक्षा कवर के तहत भेजा गया। अभ्यास में भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसे आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरण किया गया जिसमें फंसे हुए तीर्थयात्रियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया, निकासी और चिकित्सा सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया। सिमुलेशन में फंसे हुए वाहनों को बचाना, घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करना और आपदा प्रतिक्रिया और सुरक्षा टीमों द्वारा एकीकृत प्रयासों के माध्यम से त्वरित राहत का समन्वय करना शामिल था।

अधिकारियों के अनुसार तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को 2 जून को जम्मू बेस कैंप से रवाना किया जाएगा। यात्रा अगले दिन पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से शुरू होगी। जम्मू के डिप्टी कमिश्नर सचिन कुमार वैश्य ने कहा कि पूरी ड्राइ रन प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी की जा रही है। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि डिवीजनल कमिश्नर, आईजी और सभी वरिष्ठ अधिकारी ड्रिल की पूरी ड्राई रन प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही यहां सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सरस्वती धाम में टोकन वितरित किए जाएंगे। हम लोगों से बड़ी संख्या में आने का आग्रह करते हैं। हम उन्हें सभी आवश्यक चीजें मुहैया कराएंगे और किसी को कोई समस्या नहीं होगी। हमारे पास हर चीज के लिए पूरी तैयारी है।

जम्मू दक्षिण के एसडीएम मनु हंसा के अनुसार, सरस्वती धाम में टिकट काउंटर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों के लिए 1,000-1,000 टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। मौसम को ध्यान में रखते हुए यात्रियों के लिए वाटरप्रूफ वेटिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है। 13 साल से कम उम्र के बच्चों और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को इस यात्रा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इससे पहले रविवार को भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और जम्मू-कश्मीर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (जेकेएसडीआरएफ) द्वारा समरोली और तोल्डी नाला में संयुक्त रूप से इसी तरह का मॉक लैंडस्लाइड अभ्यास किया गया था। यह जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के प्रमुख हिस्से हैं। ये क्षेत्र तीर्थयात्रियों के लिए पवित्र तीर्थस्थल पर जाने के लिए महत्वपूर्ण पारगमन बिंदु हैं। इस बीच सीआरपीएफ ने यात्रा मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी है, गश्ती दलों के साथ-साथ के-9 डॉग स्क्वॉड तैनात किए हैं और राजमार्ग की सुरक्षा को मजबूत किया है, खासकर उधमपुर सेक्टर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में।

संक्षिप्त-समाचार

भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, राहत एवं बचाव कार्य जारी : सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते शिमला सहित कई क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रदेश के अनेक स्थानों से भूस्खलन और अन्य प्रकार की क्षति की चिंताजनक सूचनाएँ प्राप्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी ज़िलों के प्रशासनिक अधिकारियों के सतत संपर्क में हूँ और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बारिश के ख़तरे को देखते हुए आज प्रदेश के चार ज़िलों में एहतियातन अवकाश घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे नदी-नालों, भूस्खलन संभावित स्थानों और अन्य जोखिम भरे इलाकों की ओर न जाएँ। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पूरी सावधानी और ज़िम्मेदारी से पालन करने की भी अपील की है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके

मंडी में एचआरटीसी के वॉशर बॉय की ड्यूटी पर करंट लगने से मौत

मंडी। हिमाचल पथ परिवहन निगम मंडी की सौली खड्ड स्थित वर्कशाप में एक कर्मचारी की मौत होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 9.30 एच.आर.टी.सी. की वर्कशाला में वॉशर बॉय की पद पर कार्यरत पवन सिंह पुत्र दलीप सिंह निवासी अरठीं तहसील बल्ह जिला मंडी ड्यूटी पर तैनात था, तो अचानक करंट लगने से वे वहां पर एकत्रित बारिश के पानी में गिर गया। इसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन क्षेत्रीय अस्पताल के डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि पवन सिंह की जुलाई महीने में सेवानिवृत्ति थी। सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले ड्यूटी में करंट लगने से मौत हो गई। ए.एस.पी. मंडी सागर चंद्र ने बताया कि एच.आर.टी.सी. के वॉशर बॉय की करंट लगने से मौत हुई है। मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी गई है।

तकनीकी विवि: छह जुलाई तक काउंसलिंग फॉर्म में संशोधन करें अभ्यर्थी

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने बी फार्मेसी (डायरेक्ट एंट्री), बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) व बीएससी एचएमसीटी में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को काउंसलिंग फॉर्म में त्रुटियां सुधारने का मौका दिया है। उपरोक्त तीनों विषयों के अभ्यर्थी अपने काउंसलिंग फॉर्म में पहली जुलाई से छह जुलाई तक सुधार कर सकते हैं। तकनीकी विवि के परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि कुछ अभ्यर्थियों ने काउंसलिंग फॉर्म में अपनी प्राथमिकताएं और अन्य जानकारी ठीक नहीं डाली है, तो ऐसे अभ्यर्थी काउंसलिंग फॉर्म में तय तिथि में बदलाव कर सकते हैं।

जेपी नड्डा 2 जुलाई को बिलासपुर के दौरे पर

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जे.पी. नड्डा 2 जुलाई को अपने गृह जिला बिलासपुर के दौरे पर आ रहे हैं। वे प्रातः 9:30 बजे सर्किट हाउस बिलासपुर में पधारेंगे। इस अवसर की जानकारी देते हुए बिलासपुर सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं व समर्थकों से अनुरोध किया कि वे समय पर सर्किट हाउस पहुंचकर नड्डा का स्वागत करें तथा कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। इस दौरान नड्डा अपने पैतृक निवास पर आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट और पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट ने गठबंधन बनाने के लिए मिलाया हाथ

श्रीनगर। एक प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम में पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट और पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट ने गठबंधन बनाने के लिए हाथ मिलाया है। श्रीनगर में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए तीनों दलों के नेतृत्व ने ह्लपीपुल्स अलायंस फॉर चेंजह्व के गठन की घोषणा की। यह गठबंधन सत्तारूढ़ एनसी के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए मुख्य कश्मीर-आधारित विपक्ष बनने की क्षमता रखता है क्योंकि इसमें पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी का पारंपरिक वोट बैंक है जो 1987 के चुनावों तक कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य पर एक ताकत थी। हकीम मुहम्मद यासीन की पीडीएफ का मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के खानसाहब क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव है। इस एकीकरण के साथ गठबंधन का लक्ष्य सत्तारूढ़ एनसी के नेतृत्व वाले गठबंधन को एक कठिन चुनौती देना है जिसने 2024 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की थी।

इस साल व्यवस्थाएं पिछले सालों की तुलना में काफी बेहतर: उपराज्यपाल

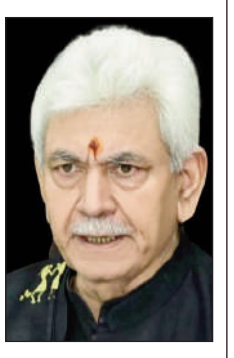

बालटाल। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि इस साल व्यवस्थाएं पिछले सालों की तुलना में काफी बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने एक व्यापक योजना बनाई है और यात्रा के शांतिपूर्ण और सफल संचालन के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रही हैं। तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को 2 जून को जम्मू बेस कैंप से रवाना किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा बालटाल व पहलगाम मार्गों से शुरू होगी।

जम्मू-कश्मीर में रुक-रुक कर बारिश और आंधी का अनुमान; अचानक बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी

श्रीनगर। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने जम्मू-कश्मीर के लिए एक नया मौसम परामर्श जारी किया है जिसमें आने वाले दिनों में केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है, साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा है। 30 जून मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है, कुछ स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। जम्मू संभाग के कुछ क्षेत्रों में मध्यम वर्षा की संभावना है। 1-5 जुलाई जम्मू-कश्मीर में छिटपुट स्थानों पर रुक-रुक कर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 6-8 जुलाई केंद्र शासित प्रदेश में कई स्थानों पर रुक-रुक कर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। संवेदनशील स्थानों पर अचानक बाढ़ आने का खतरा है, साथ ही पहाड़ी इलाकों और राजमार्गों पर भूस्खलन, मिट्टी धंसने और पत्थर गिरने का भी खतरा है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने कृषि कार्य जारी रखें क्योंकि मौसम की स्थिति के कारण अधिकांश क्षेत्रों में कृषि गतिविधियों में कोई खास बाधा आने की उम्मीद नहीं है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

नायब सैनी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब भाजपा प्रभारी श्री विजय रूपाणी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री आज अंबेडकर भवन चंडीगढ़ में आयोजित शोक सभा में बोल रहे थे। शोक सभा में हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहनलाल कौशिक सहित अन्य वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि श्री विजय रूपाणी जी का निधन हम सबके लिए गहरा आघात है। उनका संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और सेवा-भाव के आदर्शों के अनुरूप समर्पित रहा। वे एक सच्चे कर्मयोगी, विचारशील राजनेता और जनमानस से जुड़ी हुई भावना के प्रतीक थे। उनके निधन से देश ने एक ऐसा जननेता खो दिया है, जिसने पूरी निष्ठा से संगठन, सत्ता और समाज, तीनों के साथ न्याय किया।

उन्होंने कहा कि श्री विजय रूपाणी जी की विचारधारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की मूल आत्मा से जुड़ी रही। उनका राजनीतिक जीवन राष्ट्रप्रेम, पारदर्शिता, सुशासन और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित था। वे दृढ़ राष्ट्रवादी विचारधारा के पक्षधर थे और भारतीय संस्कृति की जड़ों से गहराई से जुड़े हुए थे। श्री विजय रूपाणी विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध थे। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगन से काम किया। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिससे गुजरात के विकास में तेजी आई, खासकर जीवन को आसान बनाने अर्थात ईज ऑफ लिविंग में।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री विजय रूपाणी राजकोट पश्चिम सीट से गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 7 अगस्त, 2016 से 11 सितंबर, 2021 तक दो कार्यकाल के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। वे वर्तमान में पंजाब भाजपा के प्रभारी थे। हरियाणा में भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के लिए, उन्होंने समय-समय पर मार्गदर्शन किया। वे कई बार हरियाणा आए और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक अनुशासन और सेवा की भावना से कार्य करने की प्रेरणा दी। उनकी स्मृतियां और विचारधारा हमें सदैव प्रेरणा देती रहेंगी। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्री नायब सिंह सैनी ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भगवान से अपने श्रीचरणों में स्थान देने और उनके परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

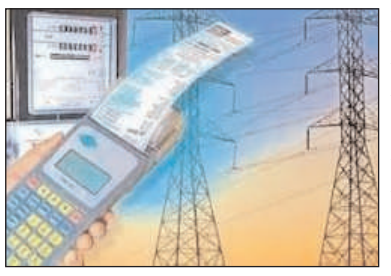

हरियाणा में बिजली की दरों में संशोधन: अप्रैल 2025 से प्रभावी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (लृएफ्ड) के 28 मार्च 2025 के आदेश के अनुसार, हरियाणा डिस्कॉम्स की टैरिफ याचिका पर विभिन्न श्रेणियों के लिए बिजली की दरों में अप्रैल 2025 से संशोधन किया गया है। यह वित्तीय वर्ष 2017-18 के बाद पहली टैरिफ वृद्धि है, जो सात साल के अंतराल के बाद हुई है, जबकि बिजली खरीद लागत और परिचालन खर्चों में लगातार वृद्धि हुई है।

यह उल्लेखित किया जाता है कि लगभग एक दशक तक टैरिफ को अपरिवर्तित रखना बढ़ी हुई परिचालन दक्षता और सख्त वित्तीय अनुशासन के कारण संभव हो पाया। पिछले एक दशक में, वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक, एटी एंड सी (समग्र तकनीकी और वाणिज्यिक) लॉसेस 29% से घटाकर 10% के स्तर पर लाया गया है।

संशोधित बिजली टैरिफ संरचना के अनुसार, सभी श्रेणियों के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम मासिक शुल्क (टटउ) समाप्त कर दिया गया है। श्रेणी-क के घरेलू उपभोक्ताओं (2 किलोवाट तक के कनेक्टेड लोड और 100 यूनिट तक की मासिक खपत वाले) के मासिक बिलों में वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में 49% से 75% तक की कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की दरों (टटउ के बिना) से तुलना करने पर, बिलों में वृद्धि 10% के भीतर है। हालांकि, पिछली टैरिफ संरचना (टटउ के साथ) की दरों से तुलना करने पर, बिल की राशि में काफी कमी आई है। इसके अतिरिक्त, श्रेणी-क्क के उपभोक्ताओं (5 किलोवाट तक के कनेक्टेड लोड वाले) के लिए, वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में बिलों में 3% से 9% की वृद्धि हुई है। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में, इस श्रेणी के अधिकांश उपभोक्ताओं के बिलों में कमी दर्ज की गयी है, जिसमें केवल कुछ स्लैब में 1% से कम की वृद्धि देखी गई है। कुल घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 94% श्रेणी क और क्क में आते हैं। श्रेणी-क्क के उपभोक्ताओं के लिए, वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में वृद्धि 5% से 7% तक है। इस श्रेणी में कम खपत स्तरों के लिए, प्रतिशत वृद्धि अधिक लग सकती है। हालांकि, इस श्रेणी में केवल 6% घरेलू उपभोक्ता ही आते है।

हाल ही में, कुछ लोगों द्वारा यह भ्रामक प्रचार किया जा रहा है की बिजली बिल 4 गुना तक बढ़ गए है, यह दावे पूरी तरह गलत है। बिजली के बिलों का मूल्यांकन पिछले वर्ष के उसी महीने के हिसाब से किया जाना चाहिए, क्योंकि यह समान खपत पैटर्न को दर्शाता है। टैरिफ वृद्धि न्यूनतम और जायज रखी गयी है।

हरियाणा में घरेलू श्रेणी के लिए निश्चित शुल्क (फिक्स्ड चार्जेस) जीरो रुपये से 75 रुपये/किलोवाट तक और उच्चतम ऊर्जा स्लैब 7.50 रुपये/यूनिट पर बनाए रखा गया है। जबकि, इसके विपरीत, पड़ोसी राज्यों में निश्चित शुल्क 110 रुपये/किलोवाट तक और ऊर्जा शुल्क 8 रुपये/यूनिट तक है।

पर्यटकों को अब एक छत के नीचे मिलेंगी आध्यात्मिक नगरी कुरुक्षेत्र के तीर्थ और पर्यटन स्थलों की सूचना

संवाददाता
चंडीगढ़

- केडीबी के पहले पर्यटन सूचना केन्द्र का किया शुभारंभ

हरियाणा की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक नगरी कुरुक्षेत्र के पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों की तमाम सूचनाएं व इससे सम्बंधित इतिहास की सूचना अब कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के पर्यटन सूचना केन्द्र में मिल पाएगी। इस पर्यटन सूचना केन्द्र को अब पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। अहम पहलू यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार आगामी 3 माह में सभी पर्यटन सूचना केन्द्र शुरू कर दिए जाएंगे और ज्योतिसर गीता स्थली, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी पर्यटन सूचना केन्द्र खोलने की योजना है। कुरुक्षेत्र की उपायुक्त नेहा सिंह, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, केडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं एसडीएम लाडवा पंकज सेतिया ने मंत्रोच्चारण के बीच केडीबी के पहले पर्यटन सूचना केन्द्र का उद्घाटन किया। इसके उपरांत, उपायुक्त ने सैल्फ हैल्प ग्रुप द्वारा पर्यटन सूचना केन्द्र में बनाए गए हस्त शिल्पी कक्ष, कैफेटेरिया, डिजिटल डाक्यूमेंट्री कक्ष, पर्यटन विश्राम केन्द्र के साथ-साथ अन्य कक्षों का भी अवलोकन किया। इस दौरान उपायुक्त नेहा सिंह ने केडीबी की तरफ से देश विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक विशेष बॉक्स में ब्रह्मसरोवर का जल, पवित्र ग्रंथ गीता, ज्योतिसर के वट वृक्ष का पत्ता और प्रसाद आदि शामिल है, की वितरण प्रक्रिया का आगाज किया। यह बॉक्स केडीबी की तरफ से महज 230 रुपए की दर से उपलब्ध करवाया जाएगा।

आज से चलाया जाएगा एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम : डॉ कृष्ण कांत

अनिल गोयल
लाडवा

डॉक्टर कृष्णकांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा ने बताया कि हर साल 1 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस मनाया जाता है यह दिन महान चिकित्सा और स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय को श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है। जिनका जन्म और मृत्यु दोनों 1 जुलाई को हुई थी। डॉक्टर राय को उनके चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर डाक्टर कृष्णकांत ने स्वास्थ्य केंद्र लाडवा से जुड़े हुए सभी अधिकारी व कर्मचारी की विशेष सभा का आयोजन किया। उन्होंने संदेश दिया कि हमें निडर होकर समाज में जो भी तरह-तरह की बीमारियां फैल रही है उनका निदान करना है। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर कृष्णकांत ने बताया कि 1 जुलाई 2025 से एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसका

उद्देश्य समाज में सभी एनीमिया से ग्रसित मरीजों की जांच, उपचार, परामर्श तथा ऐसे मरीजों की ट्रैकिंग करने उपरांत अनिमिया जैसी बीमारी को संपूर्ण रूप से खत्म करना है। इसके लिए एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम 1 जुलाई से आगामी 100 दिन के लिए चलाया जाएगा। इसके लिए विशेष रूप से टीमों का गठन किया गया है। सभी टीम गांव स्तर पर जाकर विशेष रूप से 6 वर्ग (6 महीने से 59 माह के बच्चे, 5 साल से 9 वर्ष के बच्चे, 10 से 19 वर्ष के बच्चे, 15 साल से ऊपर की सभी नॉन प्रेग्नेंट महिलाएं, प्रेग्नेंट महिलाएं तथा 15 साल से ऊपर के सभी पुरुष) के खून की जांच करेंगे तथा जो भी खून की कमी से ग्रसित मरीज है उनको वहीं पर दवाई दी जाएगी तथा खून की कमी से कैसे बचा जाए इस बारे में परामर्श भी दिया जाएगा। ऐसे मरीजों के लिए एक विशेष पोर्टल बनाया गया है। जिस पर ऐसे मरीजों के आगामी सुधार के बारे में समय-समय पर अवलोकन किया जा सकेगा तथा इस बीमारी को संपूर्ण रूप से खत्म करने के लिए विशेष बल दिया जाएगा। इस संदर्भ में डॉक्टर कृष्णकांत ने बताया कि मरीजों को एनीमिया की दवाई दी जाती है परंतु कुछ लोग वह दवाई पूरी तरह से नियम अनुसार बताए गए तरीके से नहीं खाते हैं। जिससे कि एनीमिया जैसी बीमारी को खत्म करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पताल लाडवा में इस समय एक्स-रे, विभिन्न तरह की खून की जांच जैसे कि लिवर फंक्शन टेस्ट किडनी फंक्शन टेस्ट इत्यादि, ब्लड स्टोरेज यूनिट तथा शल्य प्रक्रिया द्वारा प्रसव भी पूरी तरह से निशुल्क किए जाते हैं। पिछले दो महीने में इस संस्था में 19 प्रसव शल्य प्रक्रिया (एलएससीएस) द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में किए जा चुके हैं। पहले मरीजों को बेवजह इन सेवाओं के लिए जिला स्तर पर जाना पड़ता था परंतु यह सुविधा अब उन्हें लाडवा शहर में ही मिल जाती है। उन्होंने बताया कि माह के प्रति दूसरे शुक्रवार को जिला स्तर से विशेषज्ञों की टीम की ड्यूटी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में लगाई गई है। इस अवसर पर विशेष रूप से डॉक्टर जसविंदर, डॉक्टर विशाल, डॉक्टर नीलम, डॉक्टर रंजू सोनी, डॉ नवनीत, डॉक्टर नवदीप, कमलजीत नर्सिंग ऑफिसर, जसमेर स्वास्थ्य निरीक्षक, रामवीर एल टी, अमरीक सिंह स्वास्थ्य कार्यकर्ता, भारती वर्मा, मीना कुमारी स्वास्थ्य कार्यकर्ता व विपिन सहायक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

दत्तात्रेय ने विजय रूपाणी जी को श्रद्धांजलि दी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आज सोमवार को सैक्टर 37, चंडीगढ़ में स्थित डा0 अंबेडकर भवन में आयोजित शोक सभा में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री विजय रूपाणी जी की असामयिक और दुखद मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। दत्तात्रेय ने स्वर्गीय श्री रूपाणी जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वर्गीय श्री रूपाणी जी एक मृदुभाषी, दयालु व्यक्ति थे, जो सार्वजनिक सेवा और लोगों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में अडिग थे। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण सेवा प्रदान की है। वे एक सच्चे देशभक्त और दूरदर्शी नेता थे। राज्यपाल ने कहा कि श्री रूपाणी जी की महान आत्मा को शांति मिले और उनके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गुरु रविदास जी के 12वे मासिक सत्संग का आयोजन किया

लाडवा। इंद्री रोड स्थित श्री गुरु रविदास गुरु घर में गुरु रविदास जी के 12वे मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। गुरु रविदास जी की आरती से सत्संग का शुभारंभ किया गया सुरजीत कौर जलबेड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सुरजीत कौर जलबेड़ा ने कहा कि हमें गुरु रविदास जी के वाणी से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए। स्वामी कृष्ण कबीर संत हरिदास खरैटी आश्रम जींद उजागर सिंह जलबेड़ा ने भी गुरु रविदास जी की वाणी का प्रचार प्रसार किया और कहा कि सत्संग सुनने से मनुष्य के जन्म जन्म के पाप कट जाते हैं और मनुष्य भव सागर से पार हो जाते हैं। गुरु रविदास सभा के सदस्यों ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया व पटका पहना कर सम्मानित किया। वहीं एक भंडारे का भी आयोजन किया गया। गुरु रविदास सभा द्वारा गुरु रविदास जी की अमृतवाणी के पाठ का दो दिन का शिविर भी लगाया गया। जिसमें श्री सतीश कुमार पाठी व जसेमर दास पाठी श्री गुरु रविदास संगीत एवं अमृतवाणी सभा रजिस्टर्ड पंजोखरा साहिब ने पांचवी कक्षा से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को और युवा व बुजुर्गों को सतगुरु रविदास जी महाराज की अमृतवाणी का पाठ करने की विधि व नियमों को बड़े सरल तरीके से बताया। इस मौके पर सभा के प्रधान सूबे चंद कटारिया, जागीर सिंह, प्रवीण बौद्ध, रविंद्र कटारिया, विद्या रत्न, रवि कुमार, उमेश कटारिया, जयपाल, रोशनी देवी, ऊषारानी, बंतो रानी, फूल कली, गीता रानी, सुनहरी देवी, रिंकी, प्रेमो देवी, सुमन रानी, मनीषा रानी व ईमना कुमार कटारिया सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सीबीएसई इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता
लाडवा

संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा-लाडवा में सीबीएसई के तत्वाधान में दो दिवसीय सीबीएसई इनहाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुसार सभी शिक्षकों को सीबीएसई द्वारा आयोजित इनहाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम के कम से कम 25 घंटे तथा सीबीपी के 25 घंटे के प्रशिक्षण को पूरा करना अनिवार्य है। रिसोर्स पर्सन कविता लालर व मोनिका जिंदल ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जीवन कौशल के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम से करीब 55 शिक्षक लाभान्वित हुए। पहले दिन रिसोर्स पर्सन ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। जिसमें उन्हें विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करना और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से बचना, कार पूलिंग को अपनाना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना, छोटी दूरी तय करने के लिए साइकिल का उपयोग करना और वनरोपण करना आदि शामिल हैं। सत्र बहुत जानकारीपूर्ण था और सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी के साथ अच्छी तरह से समन्वित और व्यवस्थित था। दूसरे दिन शिक्षकों को आत्म जागरूकता, सहानुभूति, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने, समस्या समाधान, पारस्परिक कौशल, प्रभावी संवाद, तनाव का सामना करना, भावनाओं का प्रबंधन आदि सहित जीवन कौशल के महत्व से अवगत कराया। कहानी सुनाना, सौहार्दपूर्ण माहौल में सभी जीवन कौशल पर विस्तृत समूह चर्चा सहित गतिविधियों के सत्र आयोजित किए गए। प्रधानाचार्य नरेन्द्र शर्मा ने अपने समापन भाषण में आशा व्यक्त की कि शिक्षक अपने कक्षाओं में तथा जीवन में भी सभी कौशलों का कुशलतापूर्वक अभ्यास करेंगे। शिक्षक विद्यार्थियों को पर्यावरण के क्षरण के विरुद्ध शिक्षित करेंगे तथा उन्हें प्रकृति के संरक्षण तथा कम से कम एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करेंगे।

13 जुलाई को आयोजित होने वाली कैथल हाफ मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू

संवाददाता
चंडीगढ़

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैराथन को दिखाएंगे हरी झंडी
- प्रथम स्थान पाने वाले प्रतिभागी को पुरस्कार स्वरूप मिलेंगे एक लाख 50 हजार रुपये

आगामी 13 जुलाई को कैथल में सुबह के समय ₹कैथल हाफ मैराथन 2025₹ का आयोजन किया जाएगा। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे और मैराथन को हरी झंडी देकर रवाना करेंगे। हाफ मैराथन में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। कोई भी आमजन वेबसाइट पर जाकर तथा स्कैनर के माध्यम से अपना पंजीकरण करवा सकता है। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 12 लाख रुपये की कुल नकद राशि के पुरस्कार वितरित जाएंगे। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हाफ मैराथन तीन कैटेगरी में आयोजित होगी। इसमें 21 किलोमीटर व 10 किलोमीटर की प्रोफेशनल तथा पांच किलोमीटर फन-रेस शामिल है। कैथल हाफ मैराथन 2025 में भाग लेने वाले प्रतिभागी (महिला या पुरुष अलग-अलग कैटेगरी में) यदि 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करते हैं तो उन्हें एक लाख 50 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को एक लाख 25 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान पर एक लाख रुपये का नकद इनाम से पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं 10 किलोमीटर मैराथन में प्रथम विजेता को एक लाख रुपये, द्वितीय को 75 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 50 हजार रुपये की नकद इनाम दिया जाएगा। वहीं पांच किलोमीटर की दौड़ फन मैराथन होगी। इसमें कोई भी व्यक्ति निःशुल्क भाग ले सकता है। उन्होंने बताया कि 21 किलोमीटर की मैराथन में भाग लेने के लिए 1000 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस तथा 10 किलोमीटर मैराथन में भाग लेने के लिए 500 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस निर्धारित की गई है। पांच किलोमीटर मैराथन की रजिस्ट्रेशन के लिए कोई फीस नहीं है। इसके लिए निःशुल्क आवेदन किया जा सकता है। मैराथन का रूट जल्द ही तय कर लिया जाएगा।

प्रवक्ता ने बताया कि इस मैराथन का उद्देश्य मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के सपने को साकार करना है तथा इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इस प्रोफेशनल-रन में सभी प्रतिभागियों को एक किट उपलब्ध करवाई जाएगी तथा चेस्ट पर चिप लगाई जाएगी।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की सुनवाई में उपभोक्ता को मिला न्याय

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने रोहतक निवासी बिजली उपभोक्ता की शिकायत पर सुनवाई करते हुए संबंधित लेखाधिकारी पर एक हजार रुपये का प्रतीकात्मक जुमार्ना एवं 5 हजार रुपये का मुआवजा उपभोक्ता को दिए जाने का आदेश दिया है। आयोग के प्रवक्ता ने बताया की आयोग ने जांच मे पाया कि उपभोक्ता के मीटर परिवर्तन आदेश को सिस्टम में अपडेट करने में लगभग एक वर्ष की देरी हुई।

उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा 11 जून 2023 को मीटर परिवर्तन आदेश अपडेट कर दिया गया था, फिर भी उपभोक्ता के बिल में त्रुटि बनी रही, जिससे उन्हें बार-बार शिकायतें दर्ज करानी पड़ीं और कार्यालय के चक्कर लगाने पड़े। बाद में मई 2024 में संड्री एडजस्टमेंट तैयार हुआ, परंतु गणना में गलती होने के कारण यह 29 नवंबर 2024 को ही स्वीकृत हो सका। यह त्रुटि अंततः आयोग के हस्तक्षेप से ही सुधरी। आयोग ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया कि इतने सरल मामले का समाधान फर्स्ट ग्रीवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी अथवा सेकंड ग्रीवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी स्तर पर नहीं हो सका।

यह केवल हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग द्वारा शुरू की गई ऑटो अपील प्रणाली के कारण संभव हो पाया कि एक अशिक्षित उपभोक्ता एवं उसका 10+2 पढ़ा-लिखा पुत्र, बिना किसी अतिरिक्त खर्च के घर बैठे ही अपनी शिकायत आयोग तक पहुँचा सके और उन्हें कुल 15 हजार 838 रुपये और 16 हजार 330 रुपये की धनवापसी प्राप्त हो सकी जिसमें से 16 हजार 330 रुपये की राशि आयोग के हस्तक्षेप के फलस्वरूप ही प्राप्त हुई।

आयोग ने आदेश दिया है कि संबंधित लेखाधिकारी के जून 2025 के वेतन से 6 हजार रुपये की राशि काटकर 1 हजार रुपये राज्य कोष में में जमा की जाए तथा 5 हजार रुपये उपभोक्ता के बिल में समायोजित अथवा उसके बैंक खाते में स्थानांतरित की जाए।

सहूलियत | **सड़कों का सशक्त एवं आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर जनता को दी जाएंगी बेहतर सुविधाएं**

प्रदेश में पांच हजार किलोमीटर लंबाई में सड़कों पर बिछाया जाएगा नया कारपेट: रणबीर गंगवा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश में दिसंबर महीने तक करीब पांच हजार किलोमीटर लंबाई में सड़कों पर नया कारपेट बिछाकर उन्हें दुरुस्त किया जाएगा। सरकार का फोकस है कि सड़कों के निर्माण कार्य में गुणवत्तापूर्ण मापदंडों का पूरा ध्यान रखा जाए और प्रदेश में सड़कों का एक सशक्त एवं आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाए, जिससे जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा सोमवार को नूंह के सर्किट हाउस में जिला के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की बैठक में लेते हुए विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कों से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होती है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक विकास का भी एक अहम आधार बनती हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी सड़कों का निर्माण तय समय सीमा में पूर्ण हो और निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गुणवत्तापूर्ण सड़कों से आमजन का सफर सुगम और बेहतर होगा, साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान बनती है। इसलिए अधिकारी यह जरूर सुनिश्चित करें कि विकास के कामों में क्वालिटी से किसी भी प्रकार से समझौता न किया जाए। उन्होंने बताया कि जिला नूंह में इस समय पर करीब 106 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के सुधारीकरण का कार्य चल रहा है तथा करीब 525 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के कामों की अप्रूव्ल मिल गई है, जिनका कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल के

अंत तक जिला नूंह की सभी सड़कों के सुधारीकरण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) के अधिकारियों से जिला में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली और सभी कामों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला नूंह में पानी की सप्लाई सुचारू रूप से सभी क्षेत्रों में समान रूप से की जाए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि पानी की सप्लाई का समय सभी क्षेत्रों में समान हो। इस मौके पर जिला परिषद के अध्यक्ष जान मोहम्मद, नगर पालिका फिरोजपुर झिरका मनीष जैन, पीडब्ल्यूडी विभाग के एसई प्रवीण, एक्सईएन प्रदीप सिंधु, जनस्वास्थ्य विभाग के एसई कृष्ण दहिया व एक्सईएन अमित कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भिवानी में 13 जुलाई को मनाई जाएगी महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती: रणबीर गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 13 जुलाई को भिवानी में आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह ऐतिहासिक होगा। इसमें बड़ी संख्या से प्रदेश के लोग पहुंचेंगे। जिला नूंह से भी इस समारोह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने सोमवार को सर्किट हाउस नूंह में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार ने संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार योजना के तहत महापुरुषों की जयंती मनाने की परंपरा शुरू की है, जिससे समाज का हर वर्ग गौरवान्वित महसूस कर रहा है। कार्यक्रम को लेकर प्रजापति समाज ही नहीं, अपितु हर समाज में भी उत्साह है। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे, इसलिए जिला नूंह से अधिकाधिक संख्या में लोग भिवानी पहुंचे। इससे पहले सिरसा में संत कबीरदास जयंती, इंद्री में महर्षि कश्यप जयंती, रोहतक के गांव पहरावर में भगवान परशुराम जयंती समारोह, उचाना में धन्ना भगत जयंती तथा इसके साथ ही महर्षि वाल्मीकि व संत रविदास जयंती मनाते हुए संतो व महापुरुषों को सम्मान देने का काम सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरी देने का काम किया है और नौकरियों में जो बैकलॉग था, उसे भरने का काम किया है, जिससे समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को फायदा मिला है। भाजपा सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन पर बड़ी तेजी से कार्य किया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार समाज के हर वर्ग को पूरा मान सम्मान दिया जा रहा है और वर्तमान केंद्र और प्रदेश सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मूल मंत्र के साथ अंतिम छोर में बैठे वंचित वर्ग के लिए कार्य कर रही है। वर्तमान सरकार ने इस समाज को उसका हक देकर उसका मान-सम्मान किया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि चुनाव के समय जनता से जो वायदे किए गए थे, उन्हें पूरा करने का काम सरकार कर रही है।

संपादकीय

भारत में जेंडर इक्वैलिटी की राह: जब तक नहीं टूटेंगी सांस्कृतिक बेड़ियां, नहीं मिलेगी सच्ची बराबरी!

इस में कोई दो राय नहीं है कि भारत में लैंगिक समानता की दिशा में भले ही कुछ प्रगति हुई हो, लेकिन मंज़िल अभी दूर है। महिलाओं की शिक्षा में सुधार के बावजूद संसद में उनका प्रतिनिधित्व अब भी केवल 14% पर अटका हुआ है। आर्थिक मोर्चे पर स्थिति और चिंताजनक है—महिलाएं जीडीपी में 20% से भी कम योगदान देती हैं और पुरुषों की तुलना में काफी कम कमाती हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के मुताबिक भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो ब्रिक्स और दक्षिण एशिया के कई देशों से पीछे है। ऐसे में जरूरी है कि भारत हर क्षेत्र में ठोस और समावेशी बदलाव को प्राथमिकता दे ताकि सच्ची लैंगिक समानता हासिल की जा सके। आइये समझते हैं लैंगिक समानता प्राप्त करने में भारत की प्रमुख प्रगति के बारे में। भारत ने शिक्षा में लैंगिक समानता प्राप्त करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात 94.32% है, जो लड़कों के 89.28% से थोड़ा अधिक है। इसी तरह, माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन अनुपात 81.32% है, जबकि लड़कों का 78% है। भारत में महिलाओं की साक्षरता दर में 68% की वृद्धि हुई है, जो स्वतंत्रता के समय 9% से बढ़कर वर्तमान में 77% हो गई है तथा यह लैंगिक शिक्षा के अंतर को कम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता का संकेत है। प्रधानमंत्री जन धन योजना जैसी पहल महिलाओं के वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण रही है। जनवरी 2025 तक, 56% प्रधानमंत्री जन धन योजना खाते महिलाओं के पास होंगे, जिससे उन्हें बैंकिंग, बचत और ऋण तक बेहतर पहुँच प्राप्त होगी। डी बी टी प्रणाली ने भी महिलाओं को सशक्त बनाया है, क्योंकि इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकारी सब्सिडी (जैसेः मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना) और कल्याण निधि सीधे उन तक पहुँचे तथा बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़े। भारत ने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण को बढ़ाने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण कानूनी सुधार पेश किये हैं। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 ने यौन उत्पीड़न और उत्पीड़न के लिये दंड को कड़ा कर दिया है, जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा के प्रति शून्य-सहिष्णुता के दृष्टिकोण को दर्शाता है। भारत में महिलाएँ विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की बाधाओं को तोड़ रही हैं, जिनमें सी आर पी एफ के चार सेक्टरों का नेतृत्व करने वाली पहली महिला– चारु सिन्हा तथा भारत की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने वाली– न्यायमूर्ति नागरत्ना जैसी हस्तियाँ शामिल हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर ब्रीफिंग का नेतृत्व किया, जो सेना में महिलाओं के लिये एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुआ। भारत में राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर। 73 वें और 74वें संविधान संशोधनों ने पंचायतों और स्थानीय शासन निकायों में महिलाओं के लिये एक तिहाई सीटें आरक्षित कर दीं, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय शासन के 40% से अधिक पद महिलाओं के पास हैं। महिला आरक्षण अधिनियम 2023, जो संसद और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें आरक्षित करता है, राष्ट्रीय राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसे कार्यक्रमों ने पिछले दशक में मातृ मृत्यु दर को 50% से अधिक कम करने में मदद की है। आयुष्मान भारत योजना ने स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच का विस्तार किया है, जिससे लाखों महिलाएँ मुफ्त स्वास्थ्य जाँच और उपचार से लाभान्वित हो रही हैं। भारत के प्रमुख रोजगार कार्यक्रम, मनरेगा ने श्रम बल में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला भागीदारी को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मनरेगा श्रमिकों में 57.47% से अधिक महिलाएँ हैं (सत्र 2022-23 तक) जो कार्यक्रम के समान वेतन प्रावधानों से लाभान्वित हो रही हैं। ये वेतन महिलाओं को स्वतंत्र आय प्रदान करते हैं, जिससे उनकी स्वायत्तता बढ़ती है। स्टैंड अप इंडिया और मुद्रा (माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी) जैसी सरकार समर्थित योजनाएँ महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में सहायक रही हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को बचत, ऋण और वित्तीय साक्षरता तक पहुँच प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एसा नहीं है कि इस मामले में सब कुछ ठीक है। लैंगिक समानता में बाधा डालने वाले भी कई मुद्दे हैं। राजनीतिक अल्प प्रतिनिधित्व, श्रम बल में महिलाओं की कम भागीदारी, सांस्कृतिक बाधाएँ और पितृसत्तात्मक मानदंड, लैंगिक वेतन अंतर, शैक्षिक उपलब्धि बनाम रोजगार के अवसर, अपर्याप्त मातृत्व लाभ और शिशु देखभाल सहायता, वित्तीय सेवाओं में सीमित उपयोग आदि हैं। बावजूद इनके लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति को गति देने के लिये भारत कई उपाय अपना सकता है। इनमें महिलाओं के लिये व्यापक कौशल विकास कार्यक्रम लागू करना, लिंग-संवेदनशील श्रम कानूनों को बढ़ाव देना और लागू करना, स्थानीय नेतृत्व पहल के माध्यम से राजनीतिक सशक्तीकरण को मजबूत करना, लिंग-संवेदनशील बजट और नीति निर्माण को बढ़ावा देना, अनुकूलित वित्तीय सेवाओं के माध्यम से महिला उद्यमियों के लिये समर्थन बढ़ाना, लैंगिक मानदंडों को चुनौती देने के लिये शैक्षिक पाठ्यक्रम में सुधार, सुदृढ़ डेटा संग्रहण और लैंगिक-विभाजन को लागू करना, घरेलू कामगारों और अनौपचारिक मजदूरों के लिये सहायता प्रणालियों को मजबूत बनाना, महिला-केंद्रित पहलों के लिये जेंडर इम्पैक्ट बॉण्ड की शुरुआत आदि शामिल हैं। अंत में कह सकते हैं भारत ने लैंगिक समता की दिशा में सराहनीय प्रगति की है, परंतु यह यात्रा अब भी अधूरी है। शिक्षा, आर्थिक भागीदारी तथा नेतृत्व में व्याप्त अंतरालों को पाटने की दिशा में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ-साथ सांस्कृतिक बाधाओं को तोड़ने, समान अवसर सुनिश्चित करने तथा समावेशी नीतियों को प्रभावी रूप से लागू करने पर भी संगठित ध्याने देनो आवश्यके है।

आज का राशिफल

मेष: आज करियर से जुड़े मामलों में अधिक सलाह-मशविरा करने से बचें। लव पार्टनर के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। सभी जरूरी कार्य समय पर निपटाएंगे। छात्रों को परीक्षा में सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। गुस्से पर नियंत्रण रखते हुए शांत और समझदारी से काम लें।

वृषभ: परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में कोई नई योजना शुरू हो सकती है। प्रेम संबंधों में कुछ उलझनें आ सकती हैं। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में लाभ संभव है। पूर्व में की गई मेहनत रंग ला सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर थोड़े चिंतित रह सकते हैं।

मिथुन: आज का दिन शुभ संकेत दे रहा है। कार्यस्थल पर लक्ष्य आसानी से पूरे होंगे। निर्माण कार्यों में तरक्की होगी। परिवार के साथ गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। सरकारी योजनाओं या कार्यों से आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं।

कर्क: बिजनेस में आपकी परफॉर्मेंस बेहतरीन रहेगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। बड़े भाई-बहनों से रिश्तों में खटास आ सकती है। नौकरी बदलने का विचार बन सकता है। धार्मिक रुचि में थोड़ी कमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपके नैतिक मूल्यों की सराहना होगी।

सिंह: आत्मविश्वास में कुछ कमी हो सकती है। बाहरी लोगों की बातों में समय बर्बाद न करें। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यवहार सौम्य रखें। किसी धार्मिक कार्यक्रम में जाने का मौका मिलेगा। संतान की सेहत को लेकर चिंता बनी रहेगी।

कन्या: दिनचर्या थोड़ी अस्त-व्यस्त रह सकती है। व्यापार में आर्थिक नुकसान संभव है। बच्चों से व्यवहार मधुर रखें। घर में कोई मांगलिक कार्य आयोजित करने की योजना बन सकती है। मूड थोड़ा खराब रह सकता है, इसलिए नए लोगों से दूरी बनाकर रखें।

तुला: हौसला और आत्मविश्वास बनाए रखें। दोपहर बाद कोई शुभ सूचना मिल सकती है। संतान की प्रगति से प्रसन्नता मिलेगी। जिम्मेदार और अनुभवी लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे।

वृश्चिक: भावुक होकर कार्यक्षेत्र में कोई निर्णय न लें। समय का उपयोग बुद्धिमानी से करेंगे। शाम को बाहर खाने-पीने की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। बच्चों के साथ कुछ अच्छा समय बिताएंगे। इंटरव्यू देने वालों को सफलता के संकेत हैं।

धनु: आपमें सकारात्मक ऊर्जा की भरमार रहेगी। अपने लक्ष्य पर फोकस बनाए रखें। उच्च अधिकारी आपके कार्य से प्रसन्न होंगे। विरोधियों की आलोचना झेलनी पड़ सकती है। मन में अजीब सा डर महसूस हो सकता है। कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखें।

मकर: ऑफिस में कुछ लोग आपके कार्य की आलोचना कर सकते हैं। कार्यस्थल पर बड़े बदलावों से बचें। जरूरी कार्य दोपहर से पहले निपटाएं। संपत्ति से संबंधित लेन-देन से लाभ की संभावना है। दांपत्य जीवन में तनाव कम होगा।

कुंभ: जीवनसाथी का सहयोग और स्नेह मिलेगा। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। किसी सरकारी मामले में सफलता मिल सकती है। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी। परोपकार के कार्यों में रुचि लेंगे। छात्र शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

मीन: काम को लेकर थोड़ी असंतुष्टि रह सकती है। किसी सामाजिक या पारिवारिक समारोह में जाने की योजना बन सकती है। नए अनुभवों के लिए खुद को तैयार रखें। जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें। मनचाहे अवसर मिल सकते हैं। नशे से दूरी बनाकर रखें, वरना परेशानी हो सकती है।

सज्जन और सफल होना काफी नहीं सामाजिक-राष्ट्रीय चरित्र भी चाहिए

देश और धर्म की रक्षा आचरण से भी होती है। समाज और जीवन को दोषरहित-अभाव रहित बनाने में योगदान से भी होती है, वो भले किसी रूप में हो। और सचिन तेंदुलकर ने अपने स्वयं के उदाहरण से दिखाया कि सज्जन और सफल होना काफी नहीं, सामाजिक-राष्ट्रीय चरित्र की झलक भी अपने आचरण में दिखनी चाहिए। देश के वनवासी क्षेत्र किन चुनौतियों के कारण आज सम्पूर्ण देश के लिए खतरा बन गए हैं, इस पर अब कोई बहस बाकी नहीं। और सचिन तेंदुलकर ने राजनीति से दूर इससे निपटने में अपनी भूमिका निश्चित करी। माई देशी फाउंडेशन के साथ मिलकर उनकी संस्था सचिन फाउंडेशन जनजाति बाहुल्य दंतेवाड़ा (बस्तर) से लगे गांवों में 50 नए खेल-मैदान तैयार करने जा रही है, जबकि 20 पहले ही पूरे हो चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत 13 विभिन्न खेलों की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की इस पहल ने बच्चों में उमंग की लहर पैदा कर दी है। देश के सूदूर वन-क्षेत्र के जनजाति बंधुओं को माओवाद के चंगुल से निकाल सामाजिक-जीवन की मुख्यधारा में लाने के लिए अनेक योजनाओं पर काम चल रहा है, उनमें से एक यहां के बच्चों को खेलकूद से जोड़ना है।

अमित शाह ने यूं ही नहीं देश को माओवाद से सदा के लिए मुक्त करने का संकल्प लिया है। कुछ वर्ष पूर्व जनजाति बाहुल्य नागालैंड के तत्कालीन गवर्नर ने भारत सरकार को सचेत करते हुए एक रिपोर्ट भेजी, जो कि इन क्षेत्रों की अंदर की असली कहानी बयान करती है। इस रिपोर्ट में उल्लेख था, ये क्षेत्र खनिज संपदा से समृद्ध हैं, जहां देश का 98.5 फीसद क्रोमाइट, 77 फीसद कोबाल्ट, 95 फीसद निकिल और अन्य खनिज पाए जाते हैं। विदेश पोषित माओवादी और अन्य देशविरोधी तत्व नहीं चाहते कि इनके उत्खनन के लिए सरकारी एजेंसियां यहां फटकें भी। इसलिये इस क्षेत्र को सदैव हिंसा की आग में झोंके रखना उनके लिए परम कर्तव्य के पालन करने जैसा है।

राजेश पाठक (हि.स.)

2007 में देश की एक ख्याति पत्रिका ने अपनी रिपोर्ट से देश को चौंका दिया था कि कैसे चर्च, माओवादी और बहुराष्ट्रीय कम्पनियां देश की संपदा को हजम करने में जुटी हैं। आगे चल कर धर्मांतरण और इस लूट के विरुद्ध स्थानीय जनजाति-समाज को सेवा-शिक्षा के कार्य से जागृत करने की कीमत इसी समाज के एक हिन्दू संन्यासी लक्ष्मणानन्द सरस्वती को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उन पर लगातार 10 हमले हुए और ये तब जाकर रुके जब उनकी अपने चार अन्य शिष्यों के साथ जन्माष्टमी वर्ष 2008 में हत्या कर दी गई। हत्या की साजिश ईसाई गतिविधियों के केंद्र ओडिशा के कंधमाल जिले में रची गई थी। जांच में ईसाई प्रचारक और नक्सल-कार्यकर्ता कुल 8 लोग शामिल पाए गए, जिन्हें कोर्ट ने सजा सुनाई।

धर्म आधारित सदाचरण के आधार पर खान-पान-स्नान आदि में सीमित कर केवल स्वयं के शरीर को दोष रहित कर लेने में परमार्थ को देखना अधूरे निष्कर्ष में आबद्ध कर लेने जाने जैसा है। संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत कहते हैं, धर्म केवल पूजा गृह नहीं। धर्म केवल भोजन गृह भी नहीं। हमारी गलती ये हो गई पिछले कुछ वर्षों में हमने धर्म को अपने पूजा घर में, भोजन घर में बंदिश कर दिया। धर्म का स्पष्ट वर्णन हमारी परंपरा में है। धर्म के चार पैर हैं: सत्य, करुणा, शुचिता, तपस। जिसको भी आप धर्म मानते हो उसकी चौखट में बैठना चाहिए। इसके बाहर है तो वो अधर्म है।

जम्मू का चर्चित किस्सा है। एक हरिजन बंधु ने चर्च में शादी की, क्योंकि पादरी उसके घर पर आता-जाता था। फिर मंदिर में दिक्कतें भी आ रहीं थी। और वो फिर भी हिन्दू बना हुआ है। ये ऐसा ही न चलते रहे, आज देश में ऐसे अनेक वैदिक संस्थान संचालित हैं, जिसमें सभी जाति के जिज्ञासु पुरोहित कर्म का प्रशिक्षण पाते हैं। विश्व हिन्दू परिषद ने अनुसूचित जाति- जनजाति के 5000 से ऊपर पुरोहितों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश से 2000 से भी अधिक हैं।. आज ये अपने-अपने ग्रामों- बस्तियों में पौरोहित्य कर्म को संपन्न कर धर्मान्तरण को रोकने में अपना योगदान दे रहें हैं। इस क्षेत्र में मार्ग प्रशस्त करने वाली सबसे उलेखनीय घटना संघ के प्रचारक श्री माधवन की पहल पर कांची कामकोटि के दिवंगत शंकराचार्य श्री जयेंद्र सरस्वती द्वारा की गई। श्री शंकराचार्य ने गुरुवायुर में चातुर्मास के समय विभिन्न जातियों के 29 लोगों को पुरोहिताई की शिक्षा दी व प्रशिक्षण वर्ग के आखिर दिन 4 हजार लोगों की जनसभा में सबके सामने उन्हें रुद्राक्ष की माला सहित कांची कामकोटि पीठ की अधिकृत मुद्रा से अंकित प्रमाणपत्र प्रदान किया। अब तो इस प्रकार के काम देश के विभिन्न स्थानों में धर्मरक्षा न्यास के माध्यम से निरंतर होते रहते हैं। शेर भले अपनी ताकत के बल पर इकट्ठे न चला करते हों। लेकिन कई बार जंगली सूअर मिलकर उसका भी शिकार कर लेते हैं। जात-पात में बंटकर अकेले शेर बने रहने की कीमत हमने पाकिस्तान, बांग्लादेश और पिछले दिनों मुर्शिदाबाद में चुकाई है। अच्छे काम और जरूरी काम में भेद को समझ कर भी इस बात को समझा जा सकता है। अकेले व्यक्ति का सक्षम होना या पौरुष युक्त हो जाना अच्छा है। लेकिन काफी नहीं, सम्पूर्ण समाज के द्वारा संगठित रूप से इन गुणों को अर्जित करने की दिशा में बढ़े कदम ही देश के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करते हैं। इस जरूरी काम के कई प्रकार हो सकते हैं। लेकिन इसका एक प्रकार क्या हो सकता है, सचिन तेंदुलकर ने अपने इस कदम से देश को ये बताया है।

देशभक्ति कोई पदवी नहीं, ये सामान्य गुण की तरह एक नागरिक के अंदर अपेक्षित है। फिर ये बोलकर नहीं, कर के दिखाने वाला काम है। और ये कोई ऐसा काम भी नहीं जो केवल सीमा पर खड़े होकर ही सम्पन्न हो। देश का संकट, मेरे परिवार का संकट, ये समाज मेरा, मैं इस समाज का इस एकत्व की भावना के साथ जीवनयापन, हिन्दू के नाते विचार, साथ ही आचरण ही देशभक्ति की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति है। कुछ और नहीं, सदियों से मिले संचित अनुभव का ये सदा स्मरण में रखने वाला निष्कर्ष है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जीवन क्यूट, चिकित्सकों को सैल्यूट

समाज के प्रति चिकित्सकों के समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए ही प्रतिवर्ष देश में एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। गंभीर से गंभीर बीमारियों से जूझते मरीजों की जान बचाने का हरसंभव प्रयास करने वाले चिकित्सक वाकई सम्मान के सबसे बड़े हकदार भी हैं। चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनियाभर में चिकित्सक अपनी जान की परवाह किए बिना करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करते नजर आए थे। उस विकट दौर में देश में ड्यूटी के दौरान सैकड़ों चिकित्सकों की मौत हुई थी।

फिर भी चिकित्सक जी-जान से लोगों की जान बचाने में जुटे नजर आए। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान तो बहुत से चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ को अपनी छुट्टियां रद्द कर प्रतिदिन लंबे-लंबे समय तक कार्य करना पड़ा था और ऐसे बहुत से चिकित्साकर्मी महीनों-महीनों तक अपने परिवार और छोटे बच्चों से भी दूर रहे थे। हालांकि कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कोई कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था और बिना योग्य चिकित्सकों के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा। चिकित्सक दिवस की स्थापना भारत में वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी।

योगेश कुमार गोयल (हि.स.)

संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरुआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए।

डॉ. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 04 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डॉ. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डॉ. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 01 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 01 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

चिकित्सा एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे केवल आजीविका का साधन मानना इसके व्यापक सामाजिक और मानवीय महत्व को छोटा करना होगा। यह महज एक पेशा नहीं बल्कि समाज की सेवा, पीड़ित मानवता की सहायता और जीवन रक्षा का माध्यम है। एक सच्चा चिकित्सक न केवल बीमार व्यक्ति का इलाज करता है बल्कि उसके परिवार की आशाओं को भी संजीवनी देता है। इसीलिए समाज में डॉक्टरों को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है और बदले में उनसे भी सेवा, समर्पण और ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, निजी अस्पतालों में इलाज के नाम पर लापरवाही, अनावश्यक जांचों और अत्यधिक शुल्क वसूली के आरोप भी सामने आते रहे हैं, जिससे कुछ चिकित्सकों की छवि धूमिल होती है परंतु यह भी सच है कि सभी डॉक्टरों को इस दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। आज भी अधिकांश चिकित्सक अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठा और करुणा के साथ निभा रहे हैं। वे कठिनतम परिस्थितियों में भी मरीजों को न केवल जीवनदान देते हैं बल्कि उम्मीद और विश्वास की लौ भी जलाए रखते हैं। कई बार डॉक्टर मौत से जूझ रहे मरीजों को पुनः जीवन देने में सफल होते हैं। इसलिए एक समर्पित और संवेदनशील डॉक्टर न केवल चिकित्सा जगत का रत्न होता है बल्कि वह समाज का भी एक सच्चा प्रहरी होता है। ऐसे डॉक्टर सदैव सम्मान और आभार के सच्चे अधिकारी होते हैं क्योंकि वे निस्वार्थ सेवा के जरिए जीवन को नया आयाम देते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

डॉ. आशीष वशिष्ठ (हि.स.)

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- 'ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।ह्ल अप्रैल 2025 में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे में बोस्टन की एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का उल्लेख कर चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है। राहुल गांधी ने ह्यमैच-फिक्सिंग महाराष्ट्रह्ल शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा, जो कई अखबारों में छपा। उन्होंने भाजपा पर सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है।

राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रही हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसमें भाजपा को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह ब्रोकेन हो जाता है।

सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एसॉल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी। 2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर सड़क तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनकी मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है।

बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को ह्यवन ऑफ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबलीह्ल (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीते मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग ने अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है।

राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों का जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में राहुल गांधी आरोप लगाकर सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना-देना नहीं रहता। तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा के हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन का लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़; 60 किलो हेरोइन बरामद, 9 आरोपी गिरफ्तार

ड्रग सिंडिकेट पाकिस्तान आधारित तनवीर शाह और कनाडा आधारित जोबन क्लेर द्वारा संचालित किया जा रहा था: डीजीपी गौरव यादव

संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

- स्थानीय किंगपिन गुरसाहिब सिंह जेल से मोबाइल फोन के जरिए नेटवर्क चला रहा था; कई हवाला लिंक उजागर: सीपी अमृतसर गुरप्रीत भुल्लर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के तहत चलाई जा रही 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के सहयोग से पाकिस्तान आधारित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा आधारित हैंडलर जोबन क्लेर द्वारा संचालित एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करते हुए राजस्थान के बाड़मेर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलो हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

इस कार्रवाई के दौरान पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर से तस्करों और हवाला ऑपरेटरों समेत कम से कम नौ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव रामपुरा के गगनदीप सिंह उर्फ गगन (23), गांव खुरमनियां के जशनप्रीत सिंह उर्फ जशन (20), गांव बोपाराय बाज के गुरसाहिब सिंह (25), जम्मू-कश्मीर के गांव कल्याणा के राजीव पंजगोत्रा उर्फ राजवीर (29), फतेहपुर ब्राह्मणा, जम्मू-कश्मीर के सोमनाथ (62), सिम्बल कैंप, जम्मू-कश्मीर के पुरुषोत्तम सिंह उर्फ काला (50), अमृतसर के गांव मूलेचक के कुलविंदर सिंह (24), जम्मू-कश्मीर के गांव टांडा की रजिंदर कौर (42) के रूप में हुई है। इसके अलावा एक हवाला ऑपरेटर को भी गिरफ्तार किया गया है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह ड्रग कार्टेल पाकिस्तान आधारित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा आधारित तस्कर जोबन क्लेर द्वारा स्थानीय किंगपिन गुरसाहिब सिंह की मदद से संचालित किया जा रहा था, जो पहले से ही गोइंदवाल साहिब जेल में बंद है और जेल के अंदर से मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर इस नेटवर्क को लगातार चला रहा था। उन्होंने बताया कि जेल अधिकारियों की मदद से उसका फोन बरामद कर लिया गया है और कनाडा-पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क की गहराई से जांच के लिए उसका प्रोडक्शन वारंट हासिल किया गया है।

डीजीपी ने बताया कि इस मामले में आगे-पीछे के सभी संबंधों की जांच की जा रही है।

विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह ऑपरेशन पिछले महीने गुरसाहिब सिंह को छेहर्टा से 1 किलो हेरोइन समेत गिरफ्तार करने के तुरंत बाद शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि जेल में होने के बावजूद आरोपी गुरसाहिब अपने भतीजे जशनप्रीत सिंह और साथी गगनदीप सिंह, जिन्हें 102 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया था, के जरिए यह नेटवर्क चला रहा था। उन्होंने बताया कि इन दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान बाड़मेर में 60 किलो हेरोइन की बड़ी खेप का पता चला।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान हवाला ऑपरेटर की गिरफ्तारी से ड्रग मनी के लेन-देन के हवाला नेटवर्क का भी भंडाफोड़ हुआ है।

यह कार्रवाई डीसीपी (डी) सिटी रविंदरपाल सिंह, एडीसीपी (डी) जगबिंदर सिंह, एडीसीपी-2 हरपाल सिंह, एसीपी (डी) यादविंदर सिंह, एसीपी वेस्ट शिवदर्शन सिंह, एसएचओ छेहर्टा विनोद शर्मा, सीआईए-1 इंचार्ज अमोलकदीप सिंह और सीआईए-2 इंचार्ज रवि कुमार के नेतृत्व में की गई।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि भारत-पाकिस्तान सीमा पार से नशे की तस्करी कर स्थानीय डिस्ट्रीब्यूशन चैनलों के जरिए राजस्थान के रास्ते पंजाब भेजे जा रहे थे। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के तनवीर शाह से जुड़े पांच अन्य आरोपियों की भी पहचान कर ली गई है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

इस संबंध में अमृतसर के थाना छेहर्टा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-बी, 21-सी, 27-बी और 29 के तहत एफआईआर नंबर 118, दिनांक 17/06/2025 दर्ज की गई है।

पंजाब सरकार ने फायर सेफ्टी एन.ओ.सी. से जुड़ी शर्तों को उद्योग हितैषी बनाया: सौंद

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने राज्य में अग्निशमन सेवाओं को आधुनिक बनाने और उद्योगों के लिए कारोबार करने की प्रक्रिया को और सरल व बेहतर बनाने के लिए अहम कदम उठाए हैं। उद्योगों और आम नागरिकों के लिए पंजाब फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एक्ट, 2024 लागू किया गया है। औद्योगिक इमारतों की अनुमत ऊँचाई अब 18 मीटर से बढ़ाकर 21 मीटर कर दी गई है।

पंजाब भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि 27 जून को निदेशालय, पंजाब फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (स्थानीय निकाय विभाग) द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, विभिन्न उद्योगों के जोखिम वर्गीकरण के आधार पर कई उद्योगों के फायर सेफ्टी एन.ओ.सी. की वैधता अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 3 से 5 वर्ष कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उद्योगों को 3 श्रेणियों में बांटा गया है, और केवल वे उद्योग जो उच्च जोखिम या अत्यधिक खतरनाक स्तर के हैं, उन्हें ही वार्षिक एन.ओ.सी. की आवश्यकता होगी। कम जोखिम वाले उद्योगों के लिए एन.ओ.सी. की वैधता 5 वर्ष तथा मध्यम जोखिम वाले उद्योगों के लिए 3 वर्ष होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से लालफीताशाही पर अंकुश लगेगा और उद्यमी अपना कारोबार और अधिक आसानी से चला सकेंगे। उल्लेखनीय है कि कम जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 43 उद्योग, मध्यम जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 63 उद्योग, और उच्च जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 39 उद्योग शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि योग्य आर्किटेक्ट द्वारा तैयार की गई अग्निशमन ड्राइंग/योजना को विभाग द्वारा स्वीकार किया जाएगा। किसी अन्य सलाहकार या एजेंसी से अग्निशमन ड्राइंग/योजना की जांच कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

उद्योग मंत्री ने कहा कि फायर एन.ओ.सी. प्राप्त करने के लिए आवेदन करते समय मालिक/अधिकृत व्यक्ति द्वारा 53 बिंदुओं की एक विस्तृत चेकलिस्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को भी समाप्त कर दिया गया है। सौंद ने कहा कि अधिसूचना के अनुसार अब इमारत के मालिक को ऑनलाइन वार्षिक स्व-प्रमाणीकरण प्रस्तुत करने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इन फैसलों से उद्योगों को राहत मिलेगी और वे अपना अधिक ध्यान व्यापारिक विकास की ओर केंद्रित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे उद्योगों को अनावश्यक अनुमतियाँ लेने से भी छुटकारा मिलेगा।

बॉर्डर पार खेती करने गया पंजाब का किसान पहुंचा पाकिस्तान

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब के फाजिल्का से 21 जून से लापता किसान पाकिस्तान पहुंच गया है। बीएसएफ ने लापता किसान के परिजनों को सोमवार को इस बारे में सूचित किया है, लेकिन परिजनों के अनुसार उन्हें अधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। फाजिल्का जिला के गांव खैरे के उताड़ निवासी अमृतपाल सिंह बीती 21 जून को खेती करने के लिए फेंसिंग पार गया था। शाम के समय अन्य किसान तो लौट आये, लेकिन अमृतपाल वापस नहीं आया। परिजनों तथा बीएसएफ के अधिकारियों ने जब कंटीली तार के पास जाकर देखा तो अमृतपाल के पांव के निशान पाकिस्तान की तरफ जाते हुए दिखाई दिए थे। अमृतपाल के पिता जगराज सिंह ने बताया कि वह बीमार होने के कारण बॉर्डर पार खेती के लिए नहीं जा रहे हैं, जिसके चलते पिछले कुछ सालों से उनका बेटा अमृतपाल ही रोजाना खेती करने के लिए सुबह 9:00 बजे जाता है और शाम को 5:00 बजे आ जाता है। गुरूहरसहाय के थाना प्रभारी जसविंदर सिंह बराड़ के अनुसार बीएसएफ तथा परिजनों ने उन्हें सूचित किया है कि अमृतपाल गलती से पाकिस्तान चला गया है। बीएसएफ के आला अधिकारियों ने अमृतपाल के परिजनों को कहा है कि वह रेंजर के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। जल्द ही इस बारे में कोई समाधान निकलने की उम्मीद है। बीएसएफ ने इस बारे में केंद्र सरकार को भी सूचित कर दिया है, लेकिन इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बताया जा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर फाउंडेशन, आईआईटी रोपड़ ने आधिकारिक तौर पर स्विच इंडिया हैकथॉन 2025 लॉन्च किया

रोपड़। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ में टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर फाउंडेशन ने स्विच इंडिया हैकथॉन 2025 के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की, जो भारत के सबसे होनहार डीप-टेक इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए बनाया गया एक राष्ट्रीय मंच है। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के उदार समर्थन और स्विच सिंगापुर के सहयोग से आयोजित इस पहल का उद्देश्य भारतीय उद्यमियों को नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता दिखाने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करना है। स्विच इंडिया हैकथॉन 2025 एक संरचित बहुचरणीय प्रक्रिया का पालन करेगा, जो जून 2025 में शुरू होगा और अक्टूबर 2025 में समाप्त होगा। इसमें शामिल हैं: आवेदन के लिए आमंत्रण, स्क्रीनिंग और शॉर्टलिस्टिंग, अंतिम जूरी चयन, तैयारी और प्रचार और स्विच 2025 में प्रतिनिधित्व। क्षेत्रीय दौर, विशेषज्ञ मूल्यांकन और सलाह से जुड़ी एक कठोर राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया के माध्यम से चयनित, आठ उच्च-संभावित स्टार्टअप स्विच इंडिया पैवेलियन 2025 का निर्माण करेंगे, जो 29-31 अक्टूबर, 2025 को मरीना बे सैंड्स, सिंगापुर में आयोजित होने वाले स्विच 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। स्टार्टअप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आदि जैसे क्षेत्रों में फैले होंगे। इसके अलावा, एक स्टार्टअप दुनिया की सबसे प्रमुख वैश्विक पिचिंग प्रतियोगिताओं में से एक, स्लिंगशॉट 2025 में वाइल्ड कार्ड एंट्री अर्जित करेगा। फाइनलिस्ट 2.1 मिलियन सिंगापुर डॉलर तक के स्टार्टअप एसजी अनुदान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, साथ ही उन्हें वेंचर कैपिटलिस्ट, कॉर्पोरेट लीडर और वैश्विक नवाचार नेटवर्क के साथ बेजोड़ संपर्क का अवसर भी मिलेगा। आईआईटी रोपड़ के निदेशक और टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर राजीव आहूजा ने इस पहल के पीछे अपना दृष्टिकोण साझा किया। स्विच इंडिया हैकथॉन 2025 भारत की नवाचार क्षमता को वैश्विक अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक कदम आगे है। यह आईआईटी रोपड़ की प्रतिबद्धता और मिशन को दशार्ता है, जो अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए भारतीय उद्यमियों को सशक्त बनाता है और विश्व मंच पर उनकी क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। हम इस पहल को प्रायोजित करने के लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और नवाचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुल बनाने में उनके निरंतर समर्थन के लिए स्विच सिंगापुर को अपना हार्दिक धन्यवाद देते हैं। सत्यम सरमा, सीईओ, टीबीआईएफ - आईआईटी रोपड़ ने हैकाथॉन के गहरे उद्देश्य पर जोर दिया: स्विच इंडिया हैकाथॉन 2025 केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि स्टार्टअप्स को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को बड़े पैमाने पर हल करने के लिए आवश्यक एक्सपोजर, आत्मविश्वास और नेटवर्क से लैस करने का एक राष्ट्रीय मिशन है।

पंजाब सरकार द्वारा दिव्यांग सैनिकों और शहीदों के आश्रितों को 3.69 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी: मोहिंदर भगत

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने युद्ध अथवा ऑपरेशंस के दौरान सेवाएं निभाते हुए दिव्यांग हुए सैनिकों और शहीद सैनिकों के आश्रितों को वित्तीय सहायता के रूप में 3,69,07,500 रुपये की एक्स-ग्रेशिया राशि वितरित की है। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने बताया कि यह वित्तीय सहायता राज्य के 9 जिलों के 18 दिव्यांगजनों और शहीद सैनिकों के परिवारों को प्रदान की गई है। सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराते हुए श्री भगत ने कहा कि पंजाब के वीर पुत्रों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है और उनके परिवारों के साथ खड़ा होना हमारा कर्तव्य है। यह एक्स-ग्रेशिया राशि देश के लिए इन बहादुरों द्वारा की गई बेमिसाल सेवा के प्रति धन्यवाद और सम्मान का विनम्र संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण और सम्मान के लिए निरंतर हर संभव कदम उठाती रहेगी।

युद्ध नशों विरुद्ध के 121वें दिन पुलिस द्वारा 83 नशा तस्कर गिरफ्तार; 65 किलो हेरोइन बरामद

संवाददाता
चंडीगढ़

- अभियान के दौरान एक लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद
- नशा छुड़ाने के प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 44 व्यक्तियों को नशा छोड़ने के इलाज के लिए सहमत किया

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के अनुसार प्रदेश से नशों के पूरी तरह खात्मे के उद्देश्य से चलाई जा रही ?युद्ध नशों विरुद्ध? मुहिम के 121वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 83 नशा तस्करों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 65.4 किलो हेरोइन, 1.2 किलो अफीम और 1.04 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इसके साथ ही बीते 121 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 19,801 हो गई है।

यह ऑपरेशन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निदेशों के तहत राज्य के सभी 28 जिलों में एक साथ चलाया गया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपी को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की है।

ऑपरेशन की जानकारी साझा करते हुए स्पेशल डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अरपित शुक्ला ने बताया कि 92 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1300 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की भागीदारी वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 417 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके दौरान प्रदेश में 56 एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने बताया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 424 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य से नशा समाप्त करने के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - प्रवर्तन, नशा मुक्ति और रोकथाम (ई डी पी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के तहत 44 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए सहमत भी किया है।

फोर्टिस मोहाली ने हाई-रिस्क हृदय रोगी बुजुर्गों के लिए एडवांस्ड एंजियोप्लास्टी में हासिल की अग्रणी सफलता

संवाददाता
चंडीगढ़

फोर्टिस अस्पताल मोहाली हृदय रोगों की देखभाल में उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र है। यह अस्पताल उन हाई-रिस्क मरीजों को अत्याधुनिक इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी उपचार प्रदान कर रहा है, जिन्हें पहले बायपास सर्जरी या एंजियोप्लास्टी के लिए अनुपयुक्त माना जाता था। 93 वर्षीय एक बुजुर्ग मरीज, जिन्हें जटिल हृदय रोग और शारीरिक कमजोरी थी, का एक बड़ी हृदय धमनी में ब्लॉकेज के लिए एडवांस्ड एंजियोप्लास्टी से सफल इलाज किया गया। एक अन्य मामले में, 70 वर्षीय मधुमेह, हृदय विफलता, गुर्दे की समस्या और तीन हृदय धमनियों में रुकावट से पीड़ित मरीज की भी जटिल और जोखिमपूर्ण एंजियोप्लास्टी की गई। दोनों मरीज सर्जरी के लिए उपयुक्त नहीं थे, लेकिन उन्नत तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सा देखभाल की बदौलत अब पूरी तरह ठीक हैं। फोर्टिस अस्पताल मोहाली के कार्डियोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. सुधांशु बुडाकोटी ने बताया, ह्व93 वर्षीय मरीज, जिन्हें हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी (हृदय की मांसपेशियों का मोटा होना, विशेष रूप से बाईं ओर) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज थी, सीने में दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल आए। 2022 में उन्होंने कोरोनरी एंजियोग्राफी करवाई थी और उन्हें सीएबीजी (कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट) की सलाह दी गई थी, लेकिन उनकी उम्र और कमजोरी को देखते हुए उच्च जोखिम वाली सर्जरी से परहेज किया गया और उन्हें दवाइयों से उपचार दिया गया। सभी प्रकार की दवाइयों और अनुकूलित चिकित्सा उपचार के बावजूद, मरीज को आराम की स्थिति में भी बार-बार सीने में दर्द होता रहा। ऐसे में डॉक्टर ने मरीज और उसके परिवार से संभावित उपचार विकल्पों पर चर्चा की और उन्हें दोबारा एंजियोग्राफी कराने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से समझाया। शुरूआत में मरीज और उनके परिजन संकोच में थे, क्योंकि पहले उन्हें बताया गया था कि न तो सर्जरी संभव है और न ही स्टेंटिंग। लेकिन डॉ. सुधांशु ने उन्हें समझाया कि अब हस्तक्षेप आवश्यक है और जरूरत पड़ने पर स्टेंटिंग भी की जा सकती है। इसके बाद मरीज की कोरोनरी एंजियोग्राफी (सीएजी) की गई, जिसमें कैल्सीफाइड ट्रिपल वेसल डिजीज (तीनों प्रमुख हृदय धमनियों में कैल्शियम जमा रुकावट) पाई गई।

लगाम

पंजाब सरकार की बाल विवाह के खिलाफ निरंतर लड़ाई के ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं

पंजाब बाल विवाह मुक्त राज्य बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है, 58 मामलों को सफलतापूर्वक रोका गया: डॉ. बलजीत कौर

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य को बाल विवाह की बुराई से मुक्त करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि सरकार के सक्रिय हस्तक्षेप और जागरूकता अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक विभाग द्वारा समय पर कार्रवाई कर 42 बाल विवाहों को सफलतापूर्वक रोका गया, जबकि जनवरी 2025 से मार्च 2025 के बीच 16 अन्य मामलों को भी रोका गया। इस प्रकार पिछले 15 महीनों में पंजाब में कुल 58 बाल विवाह टाले गए हैं।

मंत्री ने कहा कि यह उत्साहजनक उपलब्धि पंजाब सरकार की बच्चों के अधिकारों और उनके सुरक्षित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने दोहराया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई है और इसे पूरी तरह समाप्त करने के लिए सख्त रोकथाम उपाय किए जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 चौबीसों घंटे सक्रिय है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक बाल विवाह या बच्चों से संबंधित किसी भी प्रकार के शोषण या दुर्व्यवहार की सूचना गोपनीय रूप से दे सकता है। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है, ताकि लोगों को निडर होकर रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, अपने गांव के सीनियर सेकेंडरी सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपल और बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिन्हें बाल विवाह रोकथाम अधिकारी नियुक्त किया गया है, को भी इस प्रकार की घटनाओं की तुरंत जानकारी दी जा सकती है, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। डॉ. बलजीत कौर ने आगे कहा कि जो भी माता-पिता या व्यक्ति बाल विवाह करवाने या उसे प्रोत्साहित करने का प्रयास करेगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने बल देते हुए कहा कि बाल्यावस्था बच्चों के भविष्य को संवारने का समय है और इस उम्र में विवाह करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि बाल विवाह को रोकने के लिए सरकार द्वारा विवाह के मौसम में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। ये जागरूकता कार्यक्रम जिले और गांव स्तर पर शीघ्र ही प्रारंभ किए जाएंगे ताकि बाल विवाह के मामलों पर सख्ती से अंकुश लगाया जा सके।

अंत में डॉ. बलजीत कौर ने शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, आशा वर्करों, सरपंचों, गैर-सरकारी संगठनों और जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने में सरकार का सहयोग करें, ताकि हर बच्चे के लिए एक प्रगतिशील और सुरक्षित पंजाब का निर्माण हो सके।

उद्योगों को अब हर साल नहीं लेना होगा फायर एनओसी: तरुनप्रीत सिंह सौंद

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने राज्य में अग्निशमन सेवाओं को आधुनिक बनाने और उद्योगों के लिए कारोबार करने की प्रक्रिया को और सरल व बेहतर बनाने के लिए अहम कदम उठाए हैं। उद्योगों और आम नागरिकों के लिए पंजाब फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एक्ट, 2024 लागू किया गया है। औद्योगिक इमारतों की अनुमत ऊँचाई अब 18 मीटर से बढ़ाकर 21 मीटर कर दी गई है। पंजाब भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि 27 जून को निदेशालय, पंजाब फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (स्थानीय निकाय विभाग) द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, विभिन्न उद्योगों के जोखिम वर्गीकरण के आधार पर कई उद्योगों के फायर सेफ्टी एन.ओ.सी. की वैधता अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 3 से 5 वर्ष कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उद्योगों को 3 श्रेणियों में बांटा गया है, और केवल वे उद्योग जो उच्च जोखिम या अत्यधिक खतरनाक स्तर के हैं, उन्हें ही वार्षिक एन.ओ.सी. की आवश्यकता होगी। कम जोखिम वाले उद्योगों के लिए एन.ओ.सी. की वैधता 5 वर्ष तथा मध्यम जोखिम वाले उद्योगों के लिए 3 वर्ष होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से लालफीताशाही पर अंकुश लगेगा और उद्यमी अपना कारोबार और अधिक आसानी से चला सकेंगे। उल्लेखनीय है कि कम जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 43 उद्योग, मध्यम जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 63 उद्योग, और उच्च जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 39 उद्योग शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि योग्य आर्किटेक्ट द्वारा तैयार की गई अग्निशमन ड्राइंग/योजना को विभाग द्वारा स्वीकार किया जाएगा। किसी अन्य सलाहकार या एजेंसी से अग्निशमन ड्राइंग/योजना की जांच कराने की आवश्यकता नहीं होगी। उद्योग मंत्री ने कहा कि फायर एन.ओ.सी. प्राप्त करने के लिए आवेदन करते समय मालिक/अधिकृत व्यक्ति द्वारा 53 बिंदुओं की एक विस्तृत चेकलिस्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को भी समाप्त कर दिया गया है। सौंद ने कहा कि अधिसूचना के अनुसार अब इमारत के मालिक को ऑनलाइन वार्षिक स्व-प्रमाणीकरण प्रस्तुत करने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इन फैसलों से उद्योगों को राहत मिलेगी और वे अपना अधिक ध्यान व्यापारिक विकास की ओर केंद्रित कर सकेंगे।

हैदराबाद के रासायनिक कारखाने में विस्फोट, छह मजदूरों की मौत

20 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल, एक घायल की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

हादसे के समय 100 से अधिक मजदूर शिफ्ट में थे

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

संगारेड्डी जिले के पशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र की सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में सोमवार तड़के भीषण विस्फोट हुआ, जिससे आग लग गई। इस दुर्घटना में पांच मजदूरों की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि 20 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अन्य घायल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सभी छह मृतकों की भी तक पहचान नहीं पाई है। संगारेड्डी की जिला कलेक्टर प्रवीण्या और एसपी परितोष ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को राहत उपायों पर कई सुझाव दिए। हादसे के समय

फोटोः हि.स.

100 से अधिक मजदूर शिफ्ट में थे। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल हुए लोगों को चंदननगर और इस्नापुर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। 11 दमकल गाड़ियों के साथ दमकलकर्मी मौके पर पहुंच गए हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य राजस्व, एनडीआरएफ के दल घटना स्तर पर पहुंच गए हैं।

हादसे की खबर मिलते ही मजदूरों के परिजन फैक्ट्री के बाहर जमा हो गए हैं। प्रशासन की ओर से लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की सलाह दी गई। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। चश्मदीदों के अनुसार उद्योग से तेज दुर्गंध आ रही है। इससे आसपास के इलाकों के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फैक्ट्री और आसपास के क्षेत्र को प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खाली करवाना शुरू कर दिया है।

ईरान के एविन जेल पर इजराइली हमले में 71 लोगों की जान गई

तेहरान। इजराइल के एविन जेल पर किए गए हमले में मारे गए ईरानियों में प्रशासनिक कर्मचारी, स्वैच्छिक सैन्य सेवी युवा, कैदी, उनसे मिलने आए परिवार के सदस्य और जेल के पास रहने वाले पड़ोसी शामिल हैं। न्यायपालिका के प्रवक्ता असगर जहांगीरी ने कहा है कि यह जेल उत्तरी तेहरान में है। इस जेल पर इजराइली हमले में 71 लोगों की जान चली गई। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना की खबर में यह जानकारी दी गई। इरना ने न्यायपालिका के मीडिया सेंटर की विज्ञप्ति में असगर जहांगीरी के हवाले से कहा कि 29 जून को यह आंकड़ा घोषित किया। इजराइल ने यह हमला 23 जून को किया था। जहांगीरी ने कहा कि इजराइली हमले में भारी भौतिक क्षति भी हुई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह हमला आपराधिक है। न्यायपालिका प्रमुख गलाम हुसैन मोहसेनी-एजेई ने पहले ही इस बर्बर हमले की निंदा करते हुए कहा कि ईरान इस मामले को अंतरराष्ट्रीय कानूनी निकायों के सामने रखेगा। इरना के अनुसार, 13 जून को इजराइल ने ईरान के खिलाफ बिना उकसावे के आक्रामण किया। इसमें शीर्ष सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और नागरिकों सहित 600 से अधिक लोग मारे गए। ईरानी सशस्त्र बलों ने शक्तिशाली तरीके से जवाब दिया। 22 जून को संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजराइल का साथ दिया और शासन के साथ समन्वय में, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर हमला किया। अमेरिका-इजराइल की आक्रामकता 12 दिन बाद थमी।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

बम किया निष्क्रिय

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

फोटोः हि.स.

उग्रवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक बम को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि इंफाल पश्चिम जिले में एक संयुक्त टीम ने लामडेंग अवांग लेईकाई से एक उग्रवादी युमनाम प्रेमकुमार सिंह उर्फ नोंगथांग (31) को गिरफ्तार किया। उस पर जबरन वसूली की गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन और एक पीले रंग का स्कूटर (एमएन01/एई-1745) बरामद किया।

इसके अलावा इंफाल ईस्ट जिले के नोंगपोक संजेनबाम खुल्लेन से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी-नोयोन/एमएफएल) से जुड़े मनोहरमायुम कबीचंद्र शर्मा उर्फ राजो (28) को गिरफ्तार किया। एक अन्य अभियान में प्रतिबंधित पीआरईपीएके (पीआरओ) के एक कैडर कंगाबाम राजू सिंह उर्फ पुरेल (42) को इंफाल पश्चिम के सिंगजामेई पुलिस स्टेशन अंतर्गत हीरांगोइथोंग में फिश आर्केड शॉप के पास से पकड़ा गया इस बीच, बिष्णुपुर जिले में बम निरोधक दल ने मोइरांग पुलिस स्टेशन अंतर्गत तेराखोंगशांगबी मानिंग लैथेल में लगाए गए 51 मिमी आईएलएलजी बम को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। फॉरेंसिक जांच और आगे की जांच के लिए साइट से छर्रे एकत्र किए गए हैं।

ट्रंप की धमकी काम आई, कनाडा ने डिजिटल सेवा कर रद्द किया

एजेंसी (हि.स.)
ओटोवा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को दी गई धमकी आखिरकार काम आ गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार रात डिजिटल सेवा कर को रद्द कर दिया। डिजिटल सेवा कर की वजह से अमेजन, गूगल, मेटा, उबर और एयरबीएनबी जैसी कंपनियों पर कनाडाई उपयोगकताओं से होने वाले राजस्व पर तीन फीसदी का कर लगना था। इससे अमेरिकी कंपनियों को महीने के आखिर में दो बिलियन अमरीकी डॉलर का भुगतान करना पड़ता।

सीएनबीसी चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि यह ट्रंप के अमेरिकी व्यापार वार्ता को रद्द करने की घोषणा का असर है। कार्नी ने डिजिटल सेवा कर को भुगतान से एक दिन पहले रद्द किया है। उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका के साथ अमेरिकी व्यापार वार्ता (पारस्परिक रूप से

फोटोः हि.स.

लाभकारी व्यापक व्यापार व्यवस्था) शुरू होगी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बयान में कहा, "आज की घोषणा इस महीने के कनानास्किस में जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में निर्धारित 21 जुलाई, 2025 की समयसीमा के लिए वार्ता को फिर से शुरू करने का समर्थन करेगी।" कनाडा के वित्तमंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने बयान में कहा, "डिजिटल सेवा कर को समाप्त करने से अमेरिका के साथ एक नए आर्थिक और सुरक्षा संबंधों की बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू बेस कैंप में ट्रायल रन किया गया

जम्मू। पवित्र अमरनाथ यात्रा के जम्मू आधार शिविर यात्री निवास (बेस कैंप) में आज आगामी तीर्थयात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए ट्रायल रन किया गया। इस दौरान बसों को अभूतपूर्व सुरक्षा के साथ रवाना किया गया। यह जानकारी जम्मू के डिप्टी कमिश्नर अविन कुमार वैश्य ने दी। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में आने की अपील की है। वैश्य ने कहा आधार शिविर में समुचित व्यवस्था की गई है। 38 दिवसीय तीर्थयात्रा 03 जुलाई को बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी। अविन वैश्य ने बताया कि आज सरस्वती धाम में टोकन वितरित किए जाएंगे। इससे पहले रविवार को सुरक्षा के मद्देनजर भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और जम्मू-कश्मीर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने संयुक्त मॉक भूस्खलन अभ्यास किया। यह अभ्यास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ समरोली, तोल्डी नाला में किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू में ऐतिहासिक मंडी राम मंदिर बम बम भोले के नारों से गूंज रहा है। तीर्थयात्रा से पहले देश भर से साधु यहां पहुंच रहे हैं। यह लोग 12,700 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में आवास, भोजन, पानी और स्वच्छता की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

भारतीय सेना ने पुंछ-राजौरी सेक्टर में जैश की घुसपैठ की योजना पर पानी फेरा

दो आतंकवादी मारे, गाइड को दबोचा

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ-राजौरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर जैश-ए-मोहम्मद की घुसपैठ की योजना को विफल कर दिया। इस दौरान दो आतंकवादी मार गिराए और एक गाइड को दबोच लिया। मौके से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा भी बरामद किया गया है।

भारतीय सेना ने आज जारी बयान में कहा कि 29 जून को सैनिकों ने खुफिया इनपुट पर राजौरी के केरी सेक्टर में घुसपैठ के ज्ञात मार्ग पर संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया। इस स्थान पर अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सैनिकों ने घुसपैठ की फिराक के लिए छुपे

फोटोः हि.स.

हथियारों से लैस जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादियों को घेर लिया और गोलीबारी की। बयान में कहा गया कि इससे जैश को भारी जानी क्षति हुई है। प्रारंभिक रिपोर्ट में कम से कम दो आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। घुसपैठियों की सहायता करने के संदेह में एक स्थानीय गाइड को दबोचा गया। इसके बाद तलाशी अभियान में हथियार, विस्फोटक और अन्य युद्ध-जैसी सामग्री बरामद की गई। पकड़े गए गाइड से पूछताछ की जा रही है। भारतीय सेना ने बयान में कहा है कि इस घटना के बाद निगरानी बढ़ा दी गई है और नियंत्रण रेखा पर अतिरिक्त सामरिक संसाधन तैनात किए हैं। सुरक्षा बल पुंछ और राजौरी जिलों में हाई अलर्ट पर हैं।

संक्षिप्त-समाचार

321 अरब के टेलीकॉम घोटाले में जेल में बंद पूर्व मंत्री मोहन बस्नेत 25 लाख की जमानत पर रिहा

काठमांडू। नेपाल की विशेष अदालत ने 321 अरब रुपये से अधिक के हाई प्रोफाइल टेलीकॉम भ्रष्टाचार मामले में नेपाली कांग्रेस के सांसद और पूर्व सूचना तथा संचारमंत्री मोहन बस्नेत को 25 लाख रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। एंटी करप्शन ब्यूरो ने 15 मई को नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (एनटीए) के इस घोटाले का मामला अदालत में दायर कराया था। इसमें बस्नेत और 15 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। विशेष अदालत के न्यायमूर्ति तेज नारायण सिंह राई, न्यायमूर्ति राम बहादुर थापा और न्यायमूर्ति बिदुर कोइराला की पीठ ने आज पहले बस्नेत का बयान दर्ज किया। इसके बाद उनकी रिहाई का आदेश जारी किया। एंटी करप्शन ब्यूरो का आरोप है कि नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के लिए टेरामॉक्स प्रणाली की खरीद के दौरान बड़े पैमाने पर गबन किया गया है। अन्य आरोपितों में एनटीए के पूर्व अध्यक्ष दिगंबर झा, धनराज झवाली, टिका प्रसाद उप्रेती, सुरेंद्र लाल हाडा, दीपेश आचार्य, संदीप अधिकारी अधिकारी, अच्युतानंद मिश्रा, विजय कुमार राया, पुरुषोत्तम प्रसाद खनाल, रेवती राम पंथ, सुरेश बस्नेत, हिरण्य प्रसाद बस्ताकोटी, तेज प्रसाद खरेल, दिलीप कुमार गुरुंग और दो निजी कंपनियां शामिल हैं।

मानकाचर में चार बांग्लादेशी घुसपैठिये गिरफ्तार

मानकाचर। दक्षिण शालमारा-मानकाचर जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे झगरारचर इलाके से चार बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और मानकाचर पुलिस की संयुक्त टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर की। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। चारों अवैध रूप से भारतीय सीमा में प्रवेश कर चुके थे। लेकिन बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इन्हें समय रहते पकड़ लिया। फिलहाल सभी को संजय सादु बीएसएफ कैंप में रखा गया है। पुलिस की गिरफ्त में आए चारों धुसपैठियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद वापस बंग्लादेशियों भेजा जाएगा। बीएसएफ और पुलिस के अधिकारियों ने इनसे गहन पूछताछ की है।

वैज्ञानिक अब लैब तक सीमित नहीं रहेंगे, खेतों में जाकर किसानों से भी जुड़ेंगे : शिवराज

बरेली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश के प्रत्येक जिले में वैज्ञानिकों की 2,000 टीमें भेजी जाएंगी। वह स्थानीय किसानों को आधुनिक कृषि, उन्नत नस्लों, तकनीकी खेती और बागवानी के विषय में जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अब सिर्फ लैब में सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खेत और खलिहान तक जाकर किसानों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि रिसर्च पेपर केवल प्रकाशन के लिए नहीं, बल्कि किसानों और पशुपालकों के जीवन में बदलाव लाने के लिए होने चाहिए। केंद्रीय मंत्री सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आईवीआरआई केवल एक संस्था नहीं, बल्कि यह भारत की ग्रामीण जीवनशैली, पशुपालन संस्कृति और वैज्ञानिक सोच का आधार है। संस्थान ने टीका अनुसंधान, उन्नत नस्ल विकास, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन में ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिनसे न केवल भारत, बल्कि विश्व को भी नई दिशा मिली है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है लेकिन पशुपालन के बिना कृषि की कल्पना अधूरी है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आज की रिसर्च प्रयोगशालाओं से निकलकर किसानों और पशुपालकों तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि देश में 300 से अधिक अभिनव कृषि प्रयोग किसानों ने खुद किए हैं, जिनमें वैज्ञानिकों के सहयोग से और अधिक परिष्कृत करने की आवश्यकता है। दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल डिग्री नहीं, यह देश, समाज, किसान और पशुपालक कल्याण की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के उद्धरणों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप अकेले नहीं हैं, आप राष्ट्र के भविष्य हैं। आप जो सोचेंगे, वही बनेंगे।

पोस्टमार्टम में खुला राज- एंटी एजिंग दवाओं की वजह से हुई शेफाली जरीवाला की मौत

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेफाली का निधन रक्तचाप में अचानक आई भारी गिरावट के कारण हुआ

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

'कांटा लगा' गाने से फेमस हुईं अभिनेत्री शेफाली जरीवाला अब हमारे बीच नहीं रहीं। 42 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, जिससे पूरी इंडस्ट्री और उनके फैंस सदमे में हैं। पहले कार्डिएक अरेस्ट को उनकी मौत की वजह माना जा रहा था, लेकिन अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से नई जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेफाली का निधन रक्तचाप में अचानक आई भारी गिरावट के कारण हुआ। इस अनपेक्षित

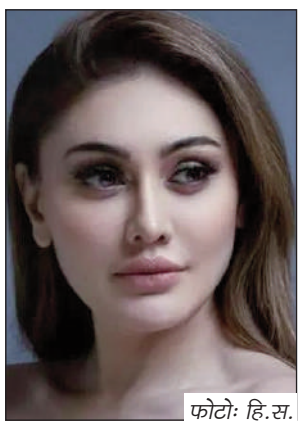
फोटोः हि.स.

घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। शेफाली जरीवाला बीते कई वर्षों से एंटी-एजिंग दवाओं और इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून को उनके घर में एक धार्मिक पूजा का आयोजन हुआ था, जिसकी वजह से उन्होंने पूरे दिन व्रत रखा था। इसी दिन दोपहर में शेफाली ने कथित तौर पर एंटी-एजिंग इंजेक्शन भी लिया। पुलिस अधिकारियों को शक है कि खाली पेट इंजेक्शन लेने के चलते ही उनका रक्तचाप अचानक गिर गया, जिससे कार्डियक अरेस्ट हुआ। बताया जा रहा है कि शेफाली पिछले 8 साल से इस तरह की दवाएं और इंजेक्शन ले रही थीं।

शेफाली जरीवाला के निधन के मामले में पुलिस ने अब तक करीब 10 लोगों से पूछताछ की है। इनमें उनके पति पराग त्यागी, माता-पिता और घरेलू स्टाफ के सदस्य शामिल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 27 जून की रात शेफाली को डिनर के दौरान अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। स्थिति बिगड़ती देख उनके पति पराग त्यागी उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर प्रतिबंध हटा

देहरादून। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते चारधाम यात्रा को पिछले 24 घंटों के लिए स्थगित किया गया था। अब चारधाम यात्रा से प्रतिबंध हटा लिया गया है। मौसम को देखते हुए यात्रा मार्ग पर वाहन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। गढ़वाल मंडल के कमिश्नर विनय शंकर शंकर पांडेय ने यह जानकारी दी। कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने बताया कि चारधाम यात्रा पर 24 घंटे का प्रतिबंध हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में मौसम की स्थिति के आधार पर वाहनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। गढ़वाल कमिश्नर ने बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाया जाया जा रहा है ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके। उल्लेखनीय है कि रविवार को भारी बारिश व भूस्खलन की आशंका को देखते हुए चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटे के लिए स्थगित किया गया था। यात्रियों और लोगों की सुरक्षा को लेकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में तीर्थयात्रियों को रोकने के निर्देश दिए गए थे।

सक्रिय राजनीति में लौटने के बाद पूर्व राष्ट्रपति ने सभी सरकारी सुविधाओं को वापस किया

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने सक्रिय राजनीति में वापसी की औपचारिक घोषणा के दो दिन बाद ही सभी सरकारी सुविधाओं को वापस कर दिया है। गृह मंत्रालय को भेजे गए पत्र में भंडारी ने नैतिकता के आधार पर स्वेच्छा से यह निर्णय लिए जाने की जानकारी दी है। गृह मंत्रालय ने पीएसओ को फिलहाल भंडारी की सुरक्षा में ही रहने को कहा है, क्योंकि इस बारे में गृह मंत्रालय की सुरक्षा समिति की बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

पूर्व राष्ट्रपति की हैसियत से उन्हें नेपाली सेना की उच्चतम सुरक्षा हासिल थी, जिसमें अत्याधुनिक हथियारों से लैस नेपाली सेना के 32 कमांडो उनके और उनकी परिवार की सुरक्षा में तैनात किए गए थे। इसके अलावा नेपाल पुलिस और सेना के डीएसपी रैंक के एक-एक अधिकारी उनकी निजी सुरक्षा अधिकारी थे। पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने सरकारी मकान, गाड़ी, ईंधन, निजी सचिव के तौर पर कार्यरत एक उपसचिव स्तर के

फोटोः हि.स.

अधिकारी, दैनिक भत्ता, यात्रा भत्ता आदि वापस करते हुए 1 जुलाई से इन सभी सुविधाओं को नहीं लेने की जानकारी दी है। इसके अलावा वार्षिक रूप से दिए जाने वाले विद्युत, पानी का खर्चा भी नहीं देने का आग्रह किया है।

गृह मंत्रालय को भेजे पत्र में भंडारी ने श्रावण महीने से उनके मासिक वेतन और भत्ता रोकने का भी आग्रह किया है। भंडारी ने कहा है कि चूंकि वो एक दल विशेष के साथ जुड़ कर फिर से देश की राजनीति में सक्रिय होने की घोषणा कर चुकी हैं, इसलिए अब उनके लिए पूर्व राष्ट्रपति की हैसियत से मिलने वाली सरकारी सुविधाओं का उपभोग करना उचित नहीं होगा।

ब्रिटेन के स्लॉ में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की धूम

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

ब्रिटेन के स्लॉ हिन्दू मंदिर से निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में 1,000 से अधिक भक्त शामिल हुए। इसमें भारतीय उच्चायोग लंदन के उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने 'पवित्र छेरा पहारना' अनुष्ठान किया। भारतीय उच्चायोग लंदन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की सचित्र संक्षिप्त सूचना साझा की है। श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके के तत्वावधान में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साह और आस्था के साथ हिस्सा लिया। सभी ने पवित्र रथ को खींचा। स्लॉ हिन्दू मंदिर में भगवान जगन्नाथ के जयकारे गूंजे। 'पवित्र छेरा पहारना' रथयात्रा का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान होता है। इस अनुष्ठान में देवताओं के सामने रथ को साफ किया जाता है। यह भगवान के सम्मुख विनम्रता और समानता का प्रतीक है। श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके अनुसार, इस दौरान भारत के पुरी के मां गुंडिचा मंदिर का दृश्य जीवंत हो उठा।

इतिहास

1 जुलाई की तारीख भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यादगार

भारतीय कर प्रणाली में सुधार का क्रांतिकारी कदम

एजेंसी (हि.स.)

देश-दुनिया के इतिहास में 01 जुलाई की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। यह तारीख भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यादगार है। केंद्र सरकार ने 01 जुलाई, 2017 को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली लागू की थी। देश के कर प्रणाली सुधार में इसे अत्यंत महत्वपूर्ण कदम के तौर पर देखा जाता है। इसे लागू करने के लिए संसद भवन में एक खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रात 12:00 बजे एक ऐप के जरिए इसे लागू किया गया।

इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली, तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और तत्कालीन उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवीगौड़ा खासतौर पर मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था- आज इस मध्यरात्रि के समय हम सब मिलकर देश के आगे का मार्ग सुनिश्चित करने जा रहे हैं। देश एक नई व्यवस्था की ओर चल पड़ेगा। सवा सौ करोड़ देशवासी

फोटोः हि.स.

इस ऐतिहासिक घटना के साक्षी हैं। जीएसटी किसी एक सरकार की उपलब्धि नहीं है। सबकी साझी विरासत है। एक लंबी विचार प्रक्रिया का परिणाम है।

महत्वपूर्ण दिवस

■ राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डॉ. विधान चंद्र राय जयंती)। ■ भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस। ■ जीएसटी दिवस।

जन्म

1882: भारत रत्न सम्मानित वरिष्ठ चिकित्सक बिधान चंद्र राय। 1917: हिमाचल प्रदेश के शिक्षक और देश के पहले मतदाता श्याम सरन नेगी। 1928: उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राम नरेश यादव। 1933: वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार कन्हैयालाल नंदन। 1938: बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया। 1941: भारतीय जनता पार्टी के नेता कलराज मिश्र। 1949: भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू। 1959: जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल हैं मनोज सिन्हा। 1963: भारत के प्रतिष्ठित एयरोस्पेस वैज्ञानिक जी. सतीश रेड्डी। 1973: उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव।

निधन

1962: प्रमुख स्वाधीनता सेनानी पुरुषोत्तम दास टंडन। 1962: भारत रत्न से सम्मानित वरिष्ठ चिकित्सक बिधान चंद्र राय। 1989: पद्म भूषण से सम्मानित टाटा मोटर्स के पूर्व एमडी सुमंत मूलगांवकर।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1852: मुंबई-कराची मार्ग पर प्रयोग के लिए 'सिंध डाक' नामक डाक टिकट जारी। 1862: कलकत्ता हाई कोर्ट का उद्घाटन। 1879: भारत में पोस्टकार्ड की शुरूआत। 1955: इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का राष्ट्रीयकरण कर इसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नाम दिया गया। 1960: अफ्रीकी देश घाना को गणराज्य घोषित किया गया। 1964: भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना 1968: अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और 59 अन्य देशों ने परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तख्त किए। 1991: वारसा संधि भंग की गई। 1949: स्वतंत्र भारत में छोटी रियासतों का विलय। त्रावनकोर और कोचीन राज्य बना। यरह मालाबार मद्रास प्रांत के अधीन रहा। 1960: घाना को गणराज्य घोषित किया गया। 1965: भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम लागू। 1990: पूर्वी एवं पश्चिमी जर्मनी के बीच सीमा रेखा समाप्त। 1994: विश्व कप फुटबाल में आत्मघाती गोल करने वाले कोलंबियाई खिलाड़ी आंद्रेस एस्कोबार की हत्या। 1995: अमेरिका ने ताइवान के खिलाफ लागू प्रतिबंध हटाए। 1996: इच्छा मृत्यु कानून विश्व में पहली बार ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी प्रांत में लागू। 1997: हॉन्ग कॉन्ग ने 156 वर्ष के ब्रिटिश शासन के बाद चीन का अधिकार स्वीकार किया। 2000: लार्ड्स के 100वें ऐतिहासिक टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया। 2003: समुद्र में सबसे गहराई तक जाकर विश्व कीर्तिमान बनाने वाली जापानी पनडुब्बी प्रशांत महासागर में लापता। 2006: शतरंज खिलाड़ी परिमार्जन नेगी सबसे कम उम्र के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने। 2017: भारत में अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सुधार के रूप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू किया गया।

लैंडो नॉरिस ने जीता ऑस्ट्रियाई ग्रांप्री

रेड बुल रिंग सर्किट पर तेज गर्मी के बीच नॉरिस ने पोल पोजीशन से शुरूआत की

एजेंसी (हि.स.)
बीजिंग

- टीममेट ऑस्कर पियास्त्री दूसरे स्थान पर रहे

मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने रविवार को आयोजित फॉर्मूला-1 ऑस्ट्रियन ग्रांप्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। टीममेट ऑस्कर पियास्त्री दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन रेस की पहली ही लैप में मर्सिडीज के किमी एंटोनेली से टकराकर बाहर हो गए।

रेड बुल रिंग सर्किट पर तेज गर्मी के बीच नॉरिस ने पोल पोजीशन से शुरूआत की और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। पियास्त्री ने तीसरे स्थान से शुरूआत की और पहले ही कोने पर चार्ल्स लेक्लेर को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने पूरे रेस के दौरान नॉरिस पर दबाव बनाए रखा।

रेस का अहम मोड़ 11वीं लैप में आया जब पियास्त्री ने डीआरएस का फायदा उठाकर टर्न 3 पर अस्थायी रूप से बढ़त बना ली, लेकिन नॉरिस ने उसी लैप में स्थिति संभाल ली और दोबारा लीड हासिल की। बाद के चरणों में, नॉरिस ने मामूली फ्रंट विंग डैमेज और बैकमार्कर्स के बीच अंतर को बनाए रखते हुए बढ़त कायम रखी। टीम रेडियो पर यह स्पष्ट किया गया कि दोनों मैकलारेन ड्राइवरों को आपस में रेस करने की आजादी है, लेकिन शर्त थी कि दोनों कारें सुरक्षित फिनिश करें।

आखिरी लाइन तक नॉरिस ने पियास्त्री पर 2.7 सेकंड की बढ़त के साथ रेस जीत ली। यह इस सीजन में उनकी तीसरी जीत रही और इसके साथ ही उन्होंने पियास्त्री के चैंपियनशिप में अंकों की बढ़त को घटाकर सिर्फ 15 अंक कर दिया। कनाडाई ग्रांप्री में पिछली बार नॉरिस की पियास्त्री से टक्कर हो गई थी, जिससे वे रेस से बाहर हो गए थे। उस गलती को नॉरिस ने स्वीकार किया था और अब ऑस्ट्रिया में मिली जीत उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही। रेस की शुरूआत ही नाटकीय रही जब कार्लोस सैंज की विलियम्स कार फॉर्मेशन लैप में ही रुक गई, जिससे रेस की दूरी 71 से घटाकर 70 लैप कर दी गई। शुरूआत के तुरंत बाद एंटोनेली ने ब्रेकिंग पॉइंट का गलत आकलन करते हुए वेरस्टैपेन से टक्कर मार दी, जिससे दोनों कारें बाहर हो गईं। इस दुर्घटना से वेरस्टैपेन की 31 रेसों से जारी पॉइंट्स की लय टूट गई। मैकलारेन की जोड़ी के बाद फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर तीसरे स्थान पर रहे, जो इस सीजन में उनका चौथा पोडियम फिनिश है। लुईस हैमिल्टन ने चौथा और जॉर्ज रसेल ने पांचवां स्थान हासिल किया। टॉप 10 में अन्य ड्राइवरों में रेसिंग बुल्स के लियाम लॉसन और एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो ने छठे और सातवें स्थान पर रहते हुए महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए। गैब्रियल बोतोलेंटो ने आठवां स्थान हासिल कर अपने करियर के पहले ऋण अंक अर्जित किए। नौवें स्थान पर निको हुल्केनबर्ग और दसवें पर एस्टेबन ओकॉन रहे।

फोटोः हि.स.

ड्राइवर्स चैंपियनशिप स्टैंडिंग

ऑस्कर पियास्त्रीः 216 अंक
लैंडो नॉरिसः 201 अंक
मैक्स वेरस्टैपेनः 155 अंक

कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप स्टैंडिंग

मैकलारेनः 417 अंक
फेरारीः 210 अंक
मर्सिडीजः 209 अंक

अब F1 कारवां ब्रिटिश ग्रांप्री के लिए सिल्वरस्टोन की ओर बढ़ेगा, जहां नॉरिस और पियास्त्री दोनों ही पहली बार जीत की तलाश में उतरेंगे।

यूएस ओपन 2025: आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब, तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं

- आयुष इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

एजेंसी (हि.स.)
काउंसिल ब्लफ्स (आयोवा)

फोटोः हि.स.

भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-18, 21-13 से हराया।

20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके साथ ही उन्होंने विदेश में भारत को पुरुष एकल खिताब दिलाने का 2 साल का इंतजार भी खत्म किया। पिछली बार 2023 में लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता था। आयुष का यूएस ओपन में सफर शानदार रहा। उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-17, 21-19 से हराया। दूसरे राउंड में उन्होंने अपने हमवतन थरुण मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से मात दी। सेमीफाइनल में आयुष ने सबसे बड़ी चुनौती का सामना किया जब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 6 और टॉप सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से हुआ। पिछली हार का बदला लेते हुए आयुष ने जोरदार वापसी करते हुए 21-23, 21-15, 21-14 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं महिला एकल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई, हालांकि वह खिताब जीतने से चूक गईं। फाइनल में उनका सामना अमेरिका की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर 21 बेइवेन झांग से हुआ, जहां उन्हें 21-11, 16-21, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि तन्वी ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी भी फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज तन्वी ने पहले दौर में दूसरी वरीय वियतनामी खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-19, 21-9 से हराकर तहलका मचा दिया। इसके बाद उन्होंने थाईलैंड की पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन पिचामोन ओपटनिपुथ को 21-18, 21-16 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मलेशिया की करुपथेवन लेटशाना को 21-13, 21-6 से हराया। सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीय पोलीना बुह्रोवा को 21-14, 21-16 से हराकर उन्होंने फाइनल में जगह बनाई।

उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट से किया करार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने अब आधिकारिक रूप से आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के साथ विशेष अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। पंजाब के होशियारपुर से ताल्लुक रखने वाली 16 वर्षीय तन्वी देश की सबसे होनहार शटलरों में शुमार हैं और पहले ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर खुद को साबित कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने सुपर 300 यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचकर एक और बड़ा मुकाम हासिल किया।

तन्वी गर्ल्स/वीमेंस सिंगल्स इवेंट में खेलती हैं और कम उम्र में ही एशियाई स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनके प्रमुख उपलब्धियों में 2023 एशिया यूथ बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक, 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2023 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में रजत पदक शामिल हैं– जो इस उम्र में सीनियर खिलाड़ियों के बीच में जीतकर हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के सीओओ राहुल त्रेहान ने कहा, हम तन्वी शर्मा का आईओएस परिवार में स्वागत कर बेहद उत्साहित हैं। कम उम्र में उनके बेहतरीन प्रदर्शन, लगन और मेहनत ने हमें काफी प्रभावित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करेंगी और हम उनके सफर में हर कदम पर साथ रहेंगे। यह साझेदारी तन्वी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल को और निखारने तथा नए मुकाम हासिल करने में मदद करेगी।

एवर्टन के स्ट्राइकर कैल्वर्ट-लेविन नौ साल बाद क्लब से होंगे विदा

लंदन। एवर्टन फुटबॉल क्लब के स्टार स्ट्राइकर डोमिनिक कैल्वर्ट-लेविन ने रविवार को घोषणा की कि वह जून के अंत में अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब को छोड़ देंगे। वह अब फ्री एजेंट के रूप में उपलब्ध होंगे। 28 वर्षीय कैल्वर्ट-लेविन ने नौ सीजन तक क्लब का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने कुल 274 मैचों में 71 गोल किए। उन्होंने यह फैसला सोशल मीडिया पर एक ओपन लेटर के जरिए साझा किया। उन्होंने लिखा, ‘एवर्टन फुटबॉल क्लब और एवर्टोनियंस को – पिछले नौ शानदार वर्षों के बाद मैंने अपने परिवार के साथ मिलकर करियर में एक नया अध्याय शुरू करने का कठिन निर्णय लिया है। उन्होंने आगे लिखा, ‘यह निर्णय लेना मेरे लिए आसान नहीं था। 19 साल की उम्र में जब मैंने इस क्लब में कदम रखा था, तभी से यह मेरा घर बन गया। इस क्लब ने मुझे निखारा, चुनौती दी और एक खिलाड़ी के साथ-साथ एक इंसान के रूप में भी तराशा। उन्होंने लिखा, ‘यह फैसला केवल मेरा नहीं है, बल्कि मेरे परिवार के साथ मिलकर लंबे विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। हमें लगता है कि अब एक नई चुनौती को अपनाने और खुद को आगे बढ़ाने का सही समय है। हालांकि इससे एवर्टन से मेरा जुड़ाव कभी कम नहीं होगा।

फीफा क्लब विश्व कप: बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया, अंतिम आठ में बनाई जगह

एजेंसी (हि.स.)
मियामी

फोटोः हि.स.

हैरी केन के दो शानदार गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रविवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बायर्न ने ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। जर्मन क्लब के लिए लियोन गोरेट्जका ने भी एक गोल किया, जबकि एरिक पुलगार का आत्मघाती गोल टीम के लिए बोनस साबित हुआ। फ्लेमेंगो के लिए गेरसन और जोर्जिन्हो ने गोल किए, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं।

इस जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन (ढरञ्ज) से भिड़ेगा। ढरञ्ज ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था। शुरूआती झटकों से उबरने की कोशिश में फ्लेमेंगो असफल मैच की शुरूआत में ही बायर्न ने जोरदार आक्रमण किया और छठे मिनट में जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर क्लियर करने की कोशिश में एरिक पुलगार ने आत्मघाती गोल कर दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद फ्लेमेंगो की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए केन ने लंबी दूरी से पोस्ट से टकराता हुआ शानदार गोल दागा। हालांकि, फ्लेमेंगो ने हार नहीं मानी और कई मौकों पर बायर्न के डिफेंस को चुनौती दी। आखिरकार 31वें मिनट में गेरसन ने 15 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन बायर्न ने तुरंत जवाब दिया। गोरेट्जका ने विरोधी टीम की एक क्लियरेंस को छाती से रोककर 25 गज की दूरी से शानदार गोल कर बायर्न की बढ़त 3-1 कर दी। हाफ टाइम से पहले पुलगार का हैरी केन पर खतरनाक टैकल लगभग झगड़े में बदल गया, हालांकि उन्हें सिर्फ पीला कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में जोर्जिन्हो ने लौटाई उम्मीद, फिर भी हार दूसरे हाफ में फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की और मिडफील्ड में नियंत्रण हासिल किया। 55वें मिनट में माइकल ओलिस के हैंडबॉल पर फ्लेमेंगो को पेनल्टी मिली, जिसे जोर्जिन्हो ने गोल में बदला और स्कोर 3-2 कर दिया। लेकिन बायर्न ने एक बार फिर बढ़त कायम कर ली। केन ने फ्लेमेंगो की मिडफील्ड में की गई गलती का फायदा उठाकर किमिच के पास पर चौथा गोल दाग दिया और स्कोर 4-2 कर दिया। अंत में बायर्न की अनुभव और मौके भुनाने की क्षमता फ्लेमेंगो पर भारी पड़ी, और जर्मन क्लब ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

खेल को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेगा एसएलआई : श्रियंका साधांगी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में देश की पहली शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की घोषणा के बाद शूटिंग खेल को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस नई पहल को लेकर खेल जगत में चचाएं जोरों पर हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय शूटर श्रियंका साधांगी ने इस लीग के पहले संस्करण को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। हम सभी लंबे समय से चाहते थे कि एक शूटिंग लीग हो और अब देखना दिलचस्प होगा कि यह कैसे आगे बढ़ती है। यह सभी के लिए एक शानदार अवसर है। एसएलआई युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

श्रियंका मानती हैं कि यह लीग खिलाड़ियों को पहचान दिलाने और खेल को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, यह अवसर है। हमारे पास कई अच्छे, अंतरराष्ट्रीय स्तर के शूटर हैं जो इस लीग का हिस्सा बनने जा रहे हैं। भारतीय शूटिंग टीम का स्तर अब बहुत ऊंचा हो चुका है। मैं चाहती हूं कि उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिले। इस खेल में जितनी सटीकता, मेहनत और कौशल लगता है, वह लोगों को जानना चाहिए। उन्होंने कहा, एसएलआई लोगों को यह समझने में मदद करेगा कि खिलाड़ी कैसे तैयारी करते हैं, उनके ट्रेनिंग के तरीके क्या हैं और प्रतियोगिताओं का प्रारूप कैसा होता है। इस लीग से लोगों को खिलाड़ियों को गहराई से जानने का मौका मिलेगा और इससे खेल को नई पहचान मिलेगी।

पर्यटन दर्पण

गोवा में घूमने की सबसे बेस्ट जगह

गोवा भारत के पश्चिमी तट पर स्थित एक राज्य है और यह देश का सबसे छोटा राज्य है। गोवा अपने सुंदर समुद्री तट, साफ बीच, पारंपरिक संस्कृति और पार्टी स्केन जैसी विभिन्न विशेषताओं के लिए विख्यात है। इस राज्य की राजधानी पणजी है और गोवा भारतीय महासागर के किनारे स्थित है। यह एक लोकप्रिय विदेशी और घरेलू यात्रा स्थल है। गोवा के सुंदर समुद्री तट, दर्शनीय साइट, पारंपरिक गांव, प्राचीन मंदिर और चर्चे, भारतीय संस्कृति, और विभिन्न विभाजना उत्सवों की वजह से यह एक विशेष पर्यटन स्थल है।

अंजुना बीच

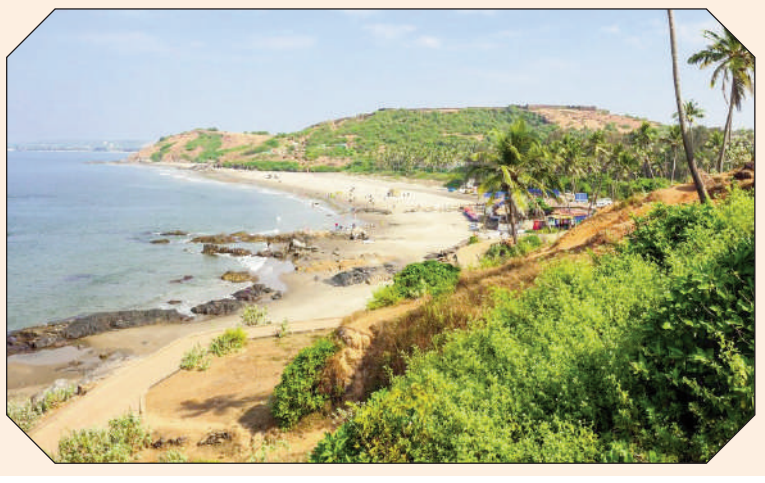

गोवा में अंजुना बीच एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है जो समुद्र तट पर स्थित है। यह बीच गोवा के उत्तरी भाग में स्थित है। वागटोर बीच और चपोरा बीच के बीच में है। यह बीच विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और धीरे-धीरे यह भारतीय पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हो गया है। इसकी सुंदरता और खासियत इसे पर्यटकों के लिए पसंदीदा बनाती है।

बम्बोलिम बीच

बम्बोलिम बीच गोवा में स्थित एक शांतिपूर्ण समुद्र तट स्थल है। यह बीच गोवा के पश्चिमी भाग में मार्गाव तहसील के निकट स्थित है। बम्बोलिम बीच की खूबसूरती, साफ पानी और शांतिपूर्ण वातावरण के कारण यह एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह बीच सबसे ज्यादा समुद्री तट का आनंद लेने के लिए विख्यात है। बम्बोलिम बीच पर समय बिताने के लिए शांतिपूर्ण वातावरण आपको मनोरंजन, आराम और ध्यान का अवसर देता है। यहां पर समुद्र तट के साथ संस्कृति का अनुभव करने के लिए अधिकांश विदेशी और घरेलू पर्यटक आते हैं। इस बीच पर सुरक्षित स्नॉर्कलिंग और स्कूबा डाइविंग का भी आनंद लिया जा सकता है। इसके नजदीक कुछ रेस्टोरेंट्स और कैफे हैं ।पर्यटकों को खुले हवाओं में अपने वक्त का आनंद लेने का मौका मिलता है। यहां आप सुबह की चाय पीते हुए धीरे से वक्त बिता सकते हैं, या फिर शाम के समय समुद्री तट पर घूमने का आनंद ले सकते हैं।

वागाटोर बीच

वागातोर बीच गोवा के उत्तरी भाग में स्थित एक प्रसिद्ध समुद्र तट स्थल है। यह बीच अंजुना बीच के पश्चिमी भाग में स्थित है और गोवा के बीच के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। वागातोर बीच विदेशी और घरेलू पर्यटकों के बीच खासी लोकप्रिय है और इसे स्वच्छता, सुंदर तट और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता है। इस बीच के पास विभिन्न कैफे, रेस्टोरेंट्स और शॉप्स हैं जिनमें आप स्वादिष्ट स्थानीय खाना खा सकते हैं। बीच शांतिपूर्ण वातावरण के कारण शाम के समय यहां प्रशिक्षण व्यायाम और ध्यान करने के लिए एक लोकप्रिय स्थान भी है। यहां पर समुद्र तट के किनारे चलते हुए सुंदर सूर्यास्त दृश्य भी देखा जा सकता है, जो यात्रियों को अपनी यात्रा का एक यादगार अनुभव बनाता है।

पिंजौर के यादवेन्द्र गार्डन की विरासत को संजोते हुए इसे और अधिक सुंदर बनाया जाए: नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने अनटैप्ड सीवरेज व औद्योगिक अपशिष्ट जल ड्रेन में प्रवाहित न होने के दिए निर्देश

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी अनटैप्ड सीवरेज या औद्योगिक अपशिष्ट जल ड्रेन में प्रवाहित न हो, इसके लिए संबंधित विभागों द्वारा ऐसे सभी स्थानों की पहचान कर प्रभावी उपाय किए जाएं, ताकि गंदे पानी को ड्रेनों में गिरने से पूरी तरह रोका जा सके। प्रारंभिक चरण में अंबाला, कुरुक्षेत्र एवं यमुनानगर जिलों में इस दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आगामी तीन माह के भीतर इन जिलों में उल्लेखनीय सुधार किया जाए। मुख्यमंत्री यहां बजट घोषणाओं की प्रगति के बारे में बुलाई गई एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं में किए गए सभी वादों को समय पर पूरा किया जाए ताकि प्रदेशवासियों को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि श्री नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्री का दायित्व भी है, ने इस वर्ष मार्च में आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान वर्ष 2025-26 के लिए राज्य बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। अरावली क्षेत्र में बनने वाली जंगल सफारी की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां ऐसे जानवर रखें जाएं जो मानवता के लिए हानिकारक न हों। जंगल सफारी केंद्रीय जू अथॉरिटी के नियमों के तहत स्थापित की जाए। साथ ही मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए वहां ऐसे पौधों के बीज डाले जाएं जो प्राकृतिक रूप से उगकर स्थिर हो सकें। उन्होंने पर्यावरण एवं वन विभाग की अन्य घोषणाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पर्यटन एवं विरासत विभाग की घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तीज-त्योहार, मेले और उत्सवों पर जनभागीदारी बढ़ाने के लिए इस वर्ष बजट में 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पर्यटन एवं विरासत विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के साथ समन्वय कर ऐसे सभी मेलों का आयोजन सुनिश्चित करे, ताकि प्रदेश के सभी वर्गों में उत्साह एवं उल्लास की भावना का संचार हो सके।

उन्होंने कहा कि पिंजौर के यादवेंद्र गार्डन की विरासत को संजोते हुए इसे और अधिक सुंदर बनाया जाए ताकि देशभर के पर्यटक यहां आकर आनंद ले सकें। बैठक में बताया गया कि केंद्र सरकार ने यादवेंद्र गार्डन और टिक्करताल, मोरनी के पुनर्विकास के लिए 90 करोड़ से अधिक की राशि मंजूर की है। बैठक में यह भी बताया गया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय सुरजकुंड क्राफ्ट्स मेले का आयोजन दूसरी बार दशहरा और दीपावली पर्व के बीच भी किया जाएगा, जिससे जनता को एक सशक्त मंच प्रदान हो सके और वे इस सांस्कृतिक महोत्सव का भरपूर आनंद उठा सकें। नायब सिंह सैनी ने खेल विभाग के लिए की गई बजट घोषणाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और उन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन विनीत गर्ग, खेल विभाग के प्रधान सचिव नवदीप वर्क, पर्यटन एवं विरासत विभाग की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल यादव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रो. आरके राठो, डीन (अकादमिक), पीजीआईएमईआर ने 10 कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया

संवाददाता
चंडीगढ़

प्रो. आर.के. राठो, डीन (अकादमिक), पीजीआईएमईआर ने आज 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर भाषण देकर और स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक प्रो. विपिन कौशल, कार्यवाहक डीडीए प्रो. अरुण बंसल, आंतरिक चिकित्सा विभाग प्रो. अमन शर्मा, लेफ्टिनेंट कर्नल जी.एस. भट्टी, एस.एच.ई., श्रीमती ललिता धीर, पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, श्रीमती अनु गुप्ता, फार्मासिस्ट, ग्रेड-1, श्री रवि दत्त शर्मा, वरिष्ठ स्वच्छता अधिकारी भी उपस्थित थे। रविंदर सिंह, आईएएंडएएस, वित्तीय सलाहकार ने लाभार्थियों को वित्तीय भुगतान पत्र वितरित किए।

आशा शर्मा, सहायक नर्सिंग अधीक्षक, आपातकालीन ऑर्थो-22 (टीआरए); विमलजीत कौर, सहायक नर्सिंग अधीक्षक, न्यूरोलॉजी वार्ड, एपीसी; नीलम वर्मा, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, एटीसी, न्यूरो वार्ड; सुरिंदर एम एम, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, एटीसी डिजास्टर वार्ड; गुरदेव सिंह, लैब अटेंडेंट ग्रेड-क/लैब सहायक, आंतरिक चिकित्सा विभाग; ऋषि पाल, जूनियर एडमिन सहायक, स्थापना शाखा; जसपाल सिंह, पर्यवेक्षक, ग्रेड क एडवांस आई सेंटर; शमशेर सिंह, अस्पताल अटेंडेंट, फामेर्सी विभाग; रमेश चंद, अस्पताल अटेंडेंट, फामेर्सी विभाग; सुरेश कुमार, अस्पताल अटेंडेंट, ग्रेड-कक्क तुलसी दास लाइब्रेरी, पीजीआई को अपने जीवन के 26 से 37 वर्ष समर्पित करने के बाद पीजीआईएमईआर से सेवानिवृत्त हुए।

मोहाली की एक फैक्ट्री में आग लगने से करीब नौ माह की बच्ची की मौत

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब के मोहाली में स्थित एक फैक्ट्री में सोमवार को शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लगने के कारण करीब नौ माह की बच्ची की झुलसने से मौत हो गई, जबकि दो कर्मचारी झुलस गए। फायर ब्रिगेड की टीमों ने करीब चार घंटे बाद आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड के मुताबिक फेज-पांच में डी 39 नाम से एक फैक्ट्री में लोहे की डाई बनाने का काम होता है। सोमवार सुबह पौने दस बजे के करीब फायर ब्रिगेड की टीम को आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद तुरंत मौके पर टीमें पहुंच गई। आग काफी तेज थी। हीट काफी अधिक थी। इस वजह से आग बुझाने में दिक्कत आई।

फैक्ट्री के अंदर एक केबिन अस्थाई रूप से बना हुआ था। वहां पर एक बैड लगा हुआ था। साथ ही चाय बनाने के लिए सामान रखा हुआ था। वहां पर बेड के नीचे कोने में बच्ची का शव पड़ा था। इस आग में दो लोग जख्मी हुए हैं। इसमें एक महिला कर्मचारी बबीता और फैक्ट्री मालिक वरिंदर कुमार बताए जा रहे है। यह फैक्ट्री किराए पर चल रही थी। सब फायर अफसर सुरेश कुमार ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया। एक बच्ची की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बिजली की तारों की वजह से हादसा लग रहा है। बिजली की तारे लटकी हुई थी। शॉर्ट सर्किट वजह हुई थी। सिलेंडर ब्लास्ट या कोई अन्य वजह सामने नहीं आई है।

उपायुक्त ने बरवाला में अवैध कॉलोनी को ध्वस्त करने के दिए निर्देश

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता जिले में पनप रही अवैध कॉलोनियों पर कडा रूख अपना रहीं है। सोमवार को समाधान शिविर में आई एक शिकायत पर कडा संज्ञान लेते हुए उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने जिला नगर योजनाकार को मंगलवार तक बरवाला में पनप रही अवैध कॉलोनी में अवैध निमार्णों को ध्वस्त करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि अवैध कॉलोनी काटने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा और उन्हें किसी भी प्रकार की छूट प्रदान नहीं की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसी किसी भी कॉलोनी में प्लाट ना खरीदे जो अधिकृत नहीं है। उन्होंने कहा कि आमजन देखभाल करके और सभी जांच पडताल के बाद संतुष्ट होकर ही अपने धन का इस्तेमाल करें। एक अन्य शिकायत पर महिला संध्या की समस्या पर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इनके प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किए गए आवेदन पर जांच कर उचित कार्यवाही करे। सुल्तानपुर गांव की सडक ऊंची होने संबंधी शिकायत पर उपायुक्त ने पानी की निकासी का उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सेक्टर 12 के एक वरिष्ठ नागरिक की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को उनके घर के पास हुए अतिक्रमण को हटाने के संबंध में कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैवलपुर के ग्रामीणों की शिकायत उपायुक्त ने खनन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे कि जमीन मालिक ने कितना खनन करवाया है। शिकायतकताओं के अनुसार जमीन मालिक द्वारा खनन करवाए जाने के कारण उनके मकानों के गिरने का खतरा हो गया है।

रायपुररानी गांव की फर्जी रजिस्ट्री कराने संबंधी एक शिकायत पर उपायुक्त ने अतिरिक्त उपायुक्त को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र व राशन कार्ड संबंधी कई शिकायतें आई, जिन पर उपायुक्त ने क्रिड के अधिकारियों को उचित कार्यवाही करते हुए समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश विश्वनाथ, डीआरओ कुलदीप मलिक, डीडीपीओ विशाल पाराशर, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

श्री माता मनसा देवी मंदिर में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया हुई शुरू

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड की सीईओ श्रीमती निशा यादव ने बताया कि श्री माता मनसा देवी (मुख्य मन्दिर, पटियाला मन्दिर व सती मन्दिर), पंचकूला, श्री काली माता मन्दिर, कालका व श्री चण्डीमाता मन्दिर, चण्डीमन्दिर मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया शुरू की जा रही है। श्रीमती निशा यादव ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 06.07.2025 से 20.08.2025 की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाइन बुकिंग 02.07.2025 प्रातः 10:00 बजे से ₹पहले आओ पहले पाओ₹ के आधार पर आरम्भ होगी। सभी इच्छुक श्रदालु लाभ उठाने के लिए पूजास्थल बोर्ड की वैबसाईट पर रजिस्ट्रेशन कर प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं।

हैफेड ने की 3304.84 मीट्रिक टन सूरजमुखी की खरीद

पंचकूला। जिले की मंडियों में अब तक सूरजमुखी की 3304.84 मीट्रिक टन की खरीद की गई है। इस संबंध में खाद्य आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला की मंडियों में अब तक की हुई खूरजमुखी की आवक में हैफेड द्वारा 3304.84 मीट्रिक टन की खरीद की गई है।

वर्षा के बाद सड़कों पर उतरे महापौर, पानी निकवालने के लिए खड़े रहे

पंचकूला। शनिवार और रविवार को हुई तेज बारिश के बाद शहर में जगह-जगह इकट्ठा हुए पानी को निकालने के लिए महापौर कुलभूषण गोयल ने स्वयं मोर्चा संभाला। रविवार रात को बारिश के बाद जिन स्थानों पर पानी खड़ा होने की सूचनाएं आ रही थी। जिसके बाद महापौर सोमवार सुबह नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ शहर में अलग-अलग स्थानों का निरीक्षण करने निकले। उन्होंने तुरंत कर्मचारियों को बंद रोड गालियां खुलवाकर पानी निकलवाया। सेक्टर 19 में अंडरपास में खड़े पानी को निकलवाने के लिए महापौर ने तुरंत खराब पड़ी मोटर को ठीक करवाया। इसके बाद अंडरपास से पानी निकालने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंडरपास से पानी पार्क में बने संपवेल में छोड़ा जा रहा है। साथ ही सेक्टर 19 के अन्य क्षेत्रों में जहां भी पानी खड़ा होने की समस्या का पता चला, वहां पर मौके पर पहुंचकर महापौर ने स्वयं खड़े होकर अपनी निकलवाया। कुछ लोगों ने महापौर को बताया कि सेक्टर 19 में जिस ठेकेदार को रोड गली साफ करने का कार्य दिया गया था, उसने रोड गली से मिट्टी और गाद निकालकर उसे वहीं पर छोड़ दिया था और बारिश आने के बाद वह दोबारा से रोड गली के अंदर मिट्टी एवं मलवा चला गया। महापौर ने इस ठेकेदार के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वार्ड पार्षद हरेंद्र मलिक भी महापौर के साथ थे। हरेंद्र मलिक ने भी महापौर को अलग-अलग जगह विजिट करवाया। कुलभूषण गोयल ने नगर निगम के कर्मचारी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह वर्षा के दिनों में फील्ड में रहे और जहां से भी अपनी जमाव की शिकायतें आ रही हैं, वहां पर तुरंत समाधान निकाला जाए।

रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ । एसीबी गुरूग्राम की टीम ने दिनांक 30.6.2025 को आरोपी राजवीर निवासी मोहनपुर जिला महेन्द्रगढ जो बतौर ग्राम स्तरीय उद्यमी को शिकायतकर्ता से 3500/-रू. (तीन हजार पांच सौ रूप्ये) नकद रिश्वत लेते रंगे हाथ कार्यालय महिला एवम् बाल विकास, अटेली जिला महेन्द्रगढ से गिरफ्तार किया है तथा आरोपी के विरूद्व अभियोग संख्या 22 दिनांक 30.6.2025, धारा 7 पी.सी. एक्ट, 1988 व 302(2) भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरूग्राम में दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा एसीबी गुरूग्राम को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसकी माता के आधार कार्ड में जन्म तिथि ठीक करवाने की एवज में आरोपी राजवीर उपरोक्त उससे 4,000/-रू. रिश्वत की मांग कर रहा है। उसके द्वारा बार-2 अनुरोध करने पर आरोपी द्वारा उससे 3500/-रू. लेने बारे सहमति दी गई है। इस शिकायत पर कार्यवाही करते हुये एसीबी गुरूग्राम की टीम द्वारा आरोपी को शिकायतकर्ता से उपरोक्त रिश्वत राशी लेते रंगे हाथो गिरफतार किया गया है। एसीबी प्रमुख द्वारा आमजन से अपील की गई है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी व कर्मचारी उनके सरकारी कार्य करने की एवज में उनसे रिश्वत राशी की मांग करता है तो इसकी सूचना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा के टोल फ्री नम्बर 1800-180-2022 व 1064 पर दी जा सकती है।

थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने 315वां रक्तदान शिविर आयोजित किया

संवाददाता
चंडीगढ़

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट (टीसीटी) ने बाल निकेतन, सेक्टर 2, पंचकूला के सहयोग से 28 जून 2025 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह टीसीटी का 315वां रक्तदान शिविर था।

शिविर का उद्घाटन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष श्री हिम्मत सिंह ने किया। ट्रस्ट के सदस्य सचिव श्री राजिंदर कालरा ने उन्हें थैलेसीमिया, टीसीटी के इतिहास के बारे में जानकारी दी और अनिवार्य एचपीसीएल का आदेश देकर हरियाणा राज्य में थैलेसीमिया के उन्मूलन में उनका सहयोग मांगा। श्री हिम्मत सिंह ने थैलेसीमिया के लिए अपना पूरा सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रेरित किया और उन्हें उपहार भी भेंट किए। यह शिविर थैलेसीमिया के उन रोगियों के लिए आयोजित किया गया था, जिन्हें जीवित रहने के लिए हीमोग्लोबिन के इष्टतम स्तर को बनाए रखने के लिए 15-20 दिनों के बाद जीवन भर रक्त आधान की आवश्यकता होती है और अन्य जरूरतमंद रोगी। इस शिविर में 34 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

पीजीआईएमईआर के क्षेत्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (आरओटीटीओ) विभाग की टीम ने प्रोफेसर (डॉ) विपिन कौशल, चिकित्सा अधीक्षक पीजीआईएमईआर की देखरेख में शिविर में अंगदान के लिए 8 दाताओं की सहमति प्राप्त की। टीसीटी समिति के सदस्य श्री एपी सिंह, उपाध्यक्ष; डॉ. विनय सूद, वित्त सचिव; श्री अमित सूद, संयुक्त सचिव, श्री एमएल गांधी, कार्यकारी सदस्य और श्री केके आहूजा ने रक्तदाताओं को उपहार वितरित किए और आशीर्वाद दिया। थैलेसीमिया रोगियों के माता-पिता ने भी इस रक्तदान शिविर में भाग लिया। पीजीआईएमईआर के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर (डॉ) रति राम शर्मा और टीसीटी के सदस्य सचिव श्री राजिंदर कालरा ने ब्लड बैंक, टीसीटी और आरओटीटीओ के कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने शिविर में भाग लेने के लिए बाल निकेतन, पंचकूला और सभी स्वैच्छिक रक्तदाताओं को भी धन्यवाद दिया।

मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत वैकल्पिक फसलों की बुआई करने पर कृषि विभाग ने दिया बल

संवाददाता
पंचकूला

वैकल्पिक फसलों की बुआई के लिए जिला में 1500 एकड का रखा लक्ष्य

हरियाणा सरकार द्वारा मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान की फसल को वैकल्पिक फसलों जैसे कपास, मक्का, अरहर, मुंग, मोठ, उड़द, सोयाबीन, ग्वार, तिल, अरण्डी, मुंगफली, फल व सब्जियां, खरीफ प्याज, खरीफ चारा व कृषि वानिकी (सफेदा व पोप्लर) द्वारा विविधिकरण करने के लिए जिला में 1500 एकड का लक्ष्य दिया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक श्री सुरेंद्र यादव ने बताया कि किसान अपने पिछले वर्ष बोये गए धान के क्षेत्र को उपरलिखित वैकल्पिक फसलों में बदल सकता है। वर्ष 2025 से पहले किसान द्वारा पंजीकरण करने के पश्चात मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सत्यापन उपरांत किसान को 7000 रुपए प्रति एकड़ की दर से वित्तिय सहायता प्रदान की जाती थी जोकि इस वितीय वर्ष से 8000 रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है और डी0बी0टी0 के तहत किसान के खाते में जमा कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि स्कीम के तहत किसान द्वारा पिछले वर्ष बोई गई धान के खेत को खरीफ 2025 में खाली रखने पर भी वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी। उक्त योजना का लाभ लेने के लिए किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यदि उपरलिखित वैकल्पिक फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तो उक्त फसलों की 100 प्रतिशत खरीद हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

उन्होंने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा कि भूमिगत जल के संरक्षण हेतू धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलें बोने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं व अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि/बागवानी कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

चंडीगढ़ प्रशासन नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आज देगा स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन की दूरदर्शी पहल, नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, 1 जुलाई, 2025 को स्वयंसेवकों के अपने दूसरे बैच के लिए व्यापक प्रशिक्षण आयोजित करेगा। प्रतिभागियों को महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान सेक्टर 26, चंडीगढ़ में कठोर शैक्षणिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। डोमेन विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम में नागरिक सुरक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिसमें आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल, आपातकालीन संचार रणनीतियाँ, प्राथमिक चिकित्सा और नागरिक अधिकारियों के साथ प्रभावी समन्वय शामिल हैं। प्रशिक्षण सत्र एक अनुभवी संकाय टीम द्वारा इंटरैक्टिव मॉड्यूल, केस स्टडी और सिमुलेशन-आधारित अभ्यासों के माध्यम से दिए जाएँगे ताकि व्यावहारिक शिक्षण और कौशल विकास सुनिश्चित किया जा सके। ये प्रशिक्षित स्वयंसेवक आपातकाल के दौरान प्रशासन और समुदाय के बीच की खाई को पाटते हुए बल गुणक के रूप में काम करेंगे। नागरिकों को उच्च-गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण से लैस करके, इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा में तैयारी, आत्मनिर्भरता और सक्रिय नागरिक भागीदारी की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह प्रदर्शित करके अन्य क्षेत्रों के लिए एक मानक स्थापित करना है कि कैसे नागरिक प्रशासन और रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच तालमेल समुदाय-संचालित आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को विकसित कर सकता है - जो संकट के समय में तेजी से और प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम हो। व्यापक प्रशिक्षण पहल में 28 जून 2025 को अपने पहले बैच में 150 से अधिक स्वयंसेवकों की भागीदारी देखी गई, जो मजबूत नागरिक जुड़ाव और संस्थागत समन्वय को दशार्ता है।

20 लाख की लागत से बनकर तैयार हुए कार्य को लोगों को समर्पित किया

विधायक रंधावा के प्रयासों से गुरु नानक कॉलोनी में सीवरेज की समस्या का समाधान हुआ

संवाददाता
डेराबस्सी

डेरा बस्सी विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने डेरा बस्सी रामगढ़ रोड पर स्थित श्री गुरु नानक कॉलोनी में 20 लाख की लागत से सीवरेज निकासी कार्य के लोकार्पण का शिलान्यास किया। इस अवसर पर सरपंच, पार्टी टीम व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

इस अवसर पर विधायक रंधावा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना तथा उनका समग्र विकास सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

इन परियोजनाओं से बुनियादी ढांचे में सुधार होगा। यह पहल विधायक रंधावा की हल्के के ग्रामीणों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उनके प्रयासों का प्रमाण है। इस अवसर पर गांव के सरपंच ने पार्टी टीम की ओर से विधायक रंधावा का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस समस्या को दूर करने की हमारी मांग लंबे समय से चली आ रही थी तथा विधायक रंधावा ने उनसे संपर्क करने के बाद जो वादा किया था, वह पूरा हो गया है। तथा भविष्य में भी हमारी मांगों को पूरा करने का आश्वासन मिलने पर सभी ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त किया।